निर्देश–

1. विद्यालय की बाहरी व आंतरिक दीवारों को सफेद रंग से रंगा जाए एवं प्राथमिक–हरी पट्टी एवं उच्च प्राथमिक–लाल पट्टी कोड से रंगाई की जाएगी।

उच्च प्राथमिक विद्यालय का नमूना।

प्राथमिक विद्यालय का नमूना।

2. कक्षा–कक्षों की दीवारों का रंग सफेद रहेगा, चित्रों को स्पष्ट रंगों से रंगा जायेगा।

3. जिन कक्षा–कक्ष में टाइल्स को खिड़की तक नहीं लगाया गया है, वहां पर विद्यालय कोड के अनुसार (प्राथमिक–हरी पट्टी एवं उच्च प्राथमिक–लाल पट्टी) पेन्ट खिड़की तक किया जाये।

4. बाउण्ड्रीवाल का रंग भी सफेद रहेगा उस पर चित्रों को स्पष्ट रंगों से पेन्ट जायेगा। बाउण्ड्रीवाल के डिवाइडर को अन्य रंग से न पेन्ट कर विद्यालय कोड के अनुसार (प्राथमिक–हरी पट्टी एवं उच्च प्राथमिक–लाल पट्टी) रंगा जाये।

कक्षा 1

1.पीछे की दीवाल

Happy house
wall decals
1
2
3
4

2.कक्षा कक्ष दरवाजे के बगल की दीवाल

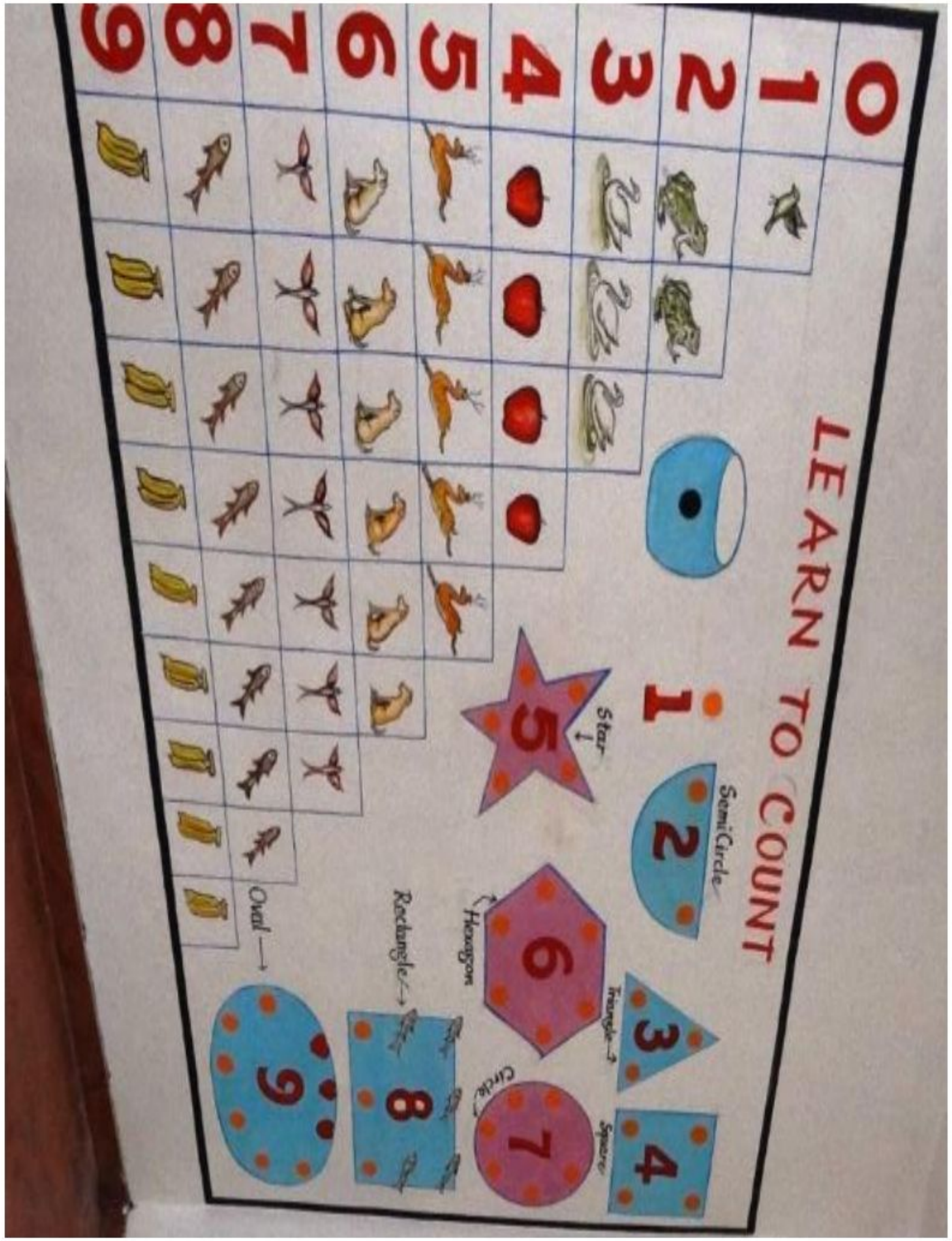

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

Aa Bb Cc Dd Ee Ff
Gg Hh Ii Jj Kk Ll Mm
Nn Oo Pp Qq Rr Ss Tt
Uu Vv Ww Xx Yy Zz
1 one
2 two
3 three
4 four
5 five
6 six
7 seven
8 eight
9 nine
10 ten
red
orange
yellow
green
blue
purple
pink
grey
black
brown

3.कक्षा कक्ष दरवाजे के सामने की दीवाल

कक्षा 2

1.पीछे की दीवाल

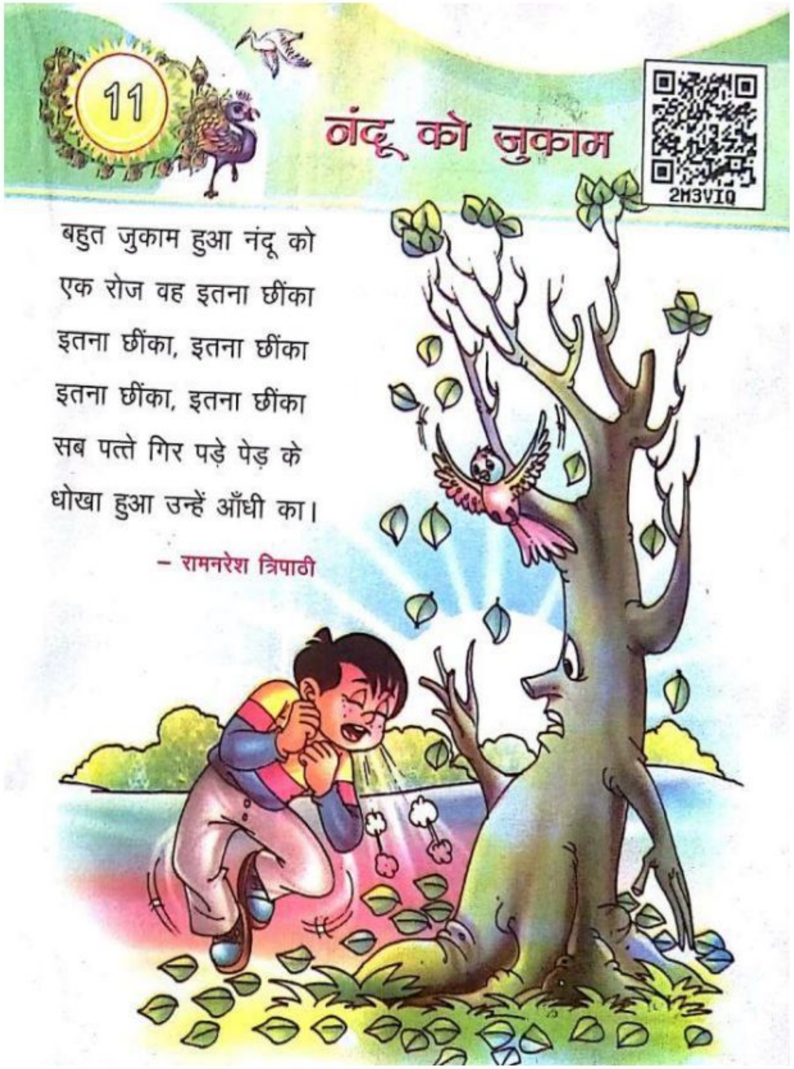

11

नंदू को जुकाम

बहुत जुकाम हुआ नंदू को
एक रोज वह इतना छींका
इतना छींका, इतना छींका
इतना छींका, इतना छींका
सब पत्ते गिर पड़े पेड़ के
धोखा हुआ उन्हें आँधी का।

– रामनरेश त्रिपाठी

2.कक्षा कक्ष दरवाजे के बगल की दीवाल

3 बया हमारी चिड़िया रानी

2JZT5J

बया हमारी चिड़िया रानी ।

तिनके लाकर महल बनाती
ऊँची डाली पर लटकाती,
खेतों से फिर दाना लाती
नदियों से भर लाती पानी।

तुझको दूर न जाने देंगे
दानों से आँगन भर देंगे,
और हौज में भर देंगे हम
मीठा–मीठा ठंडा पानी।

– महादेवी वर्मा

LESSON - 4 Our Body

2YR11X

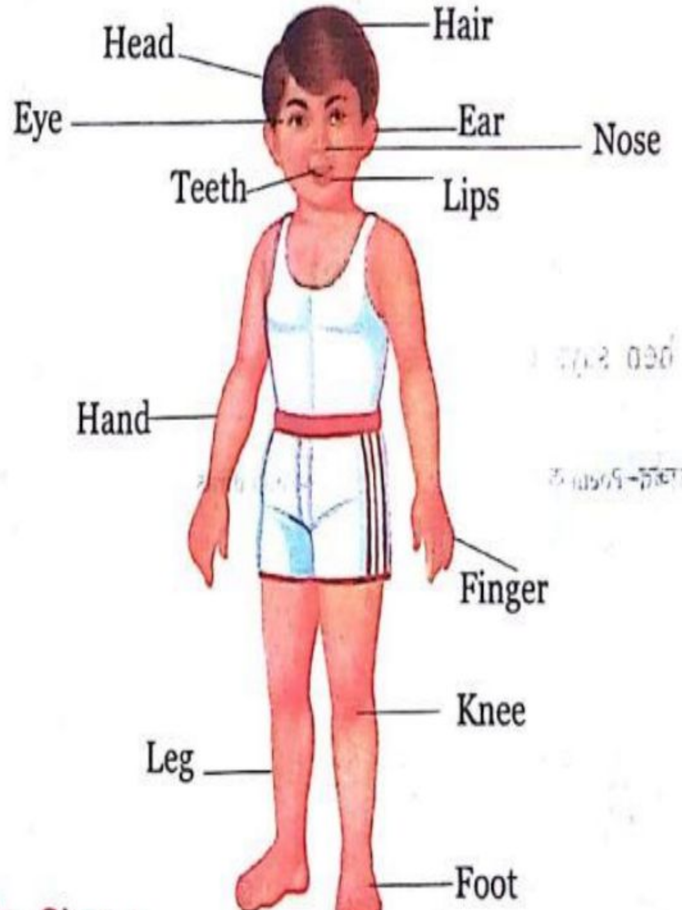

3. कक्षा कक्ष दरवाजे के सामने की दीवाल (दीवार का रंग सफेद रहेगा, चित्र को ही अन्य रंग से रंगा जायेगा।)

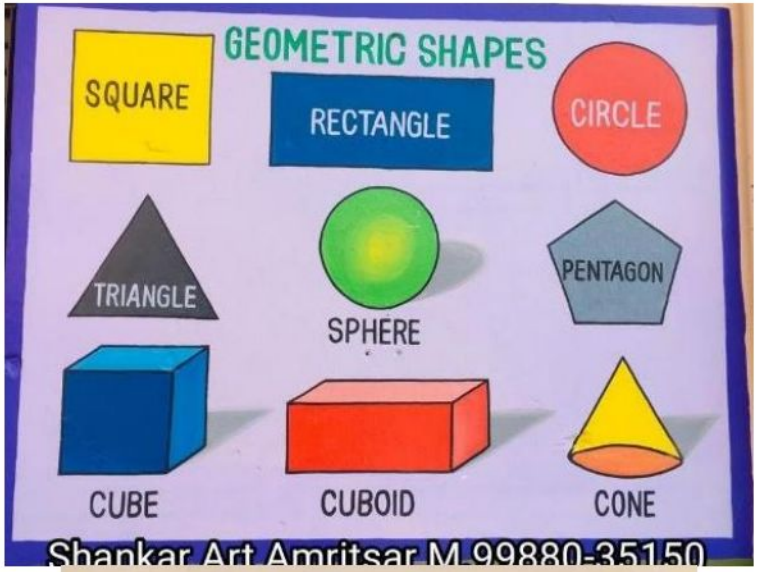

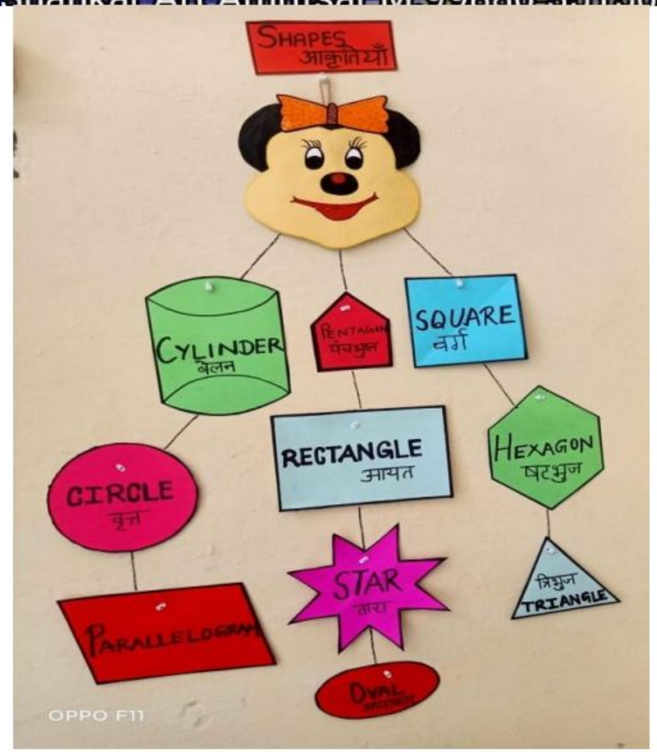

Sunday
Monday
Tuesday
Wednesday
Thursday
Friday
Saturday
JANUARY
FEBRUARY
MARCH
APRIL
MAY
JUNE
JULY
AUGUST
SEPTEMBER
OCTOBER
NOVEMBER
DECEMBER

violet
blue
turquoise
green
yellow
orange
red

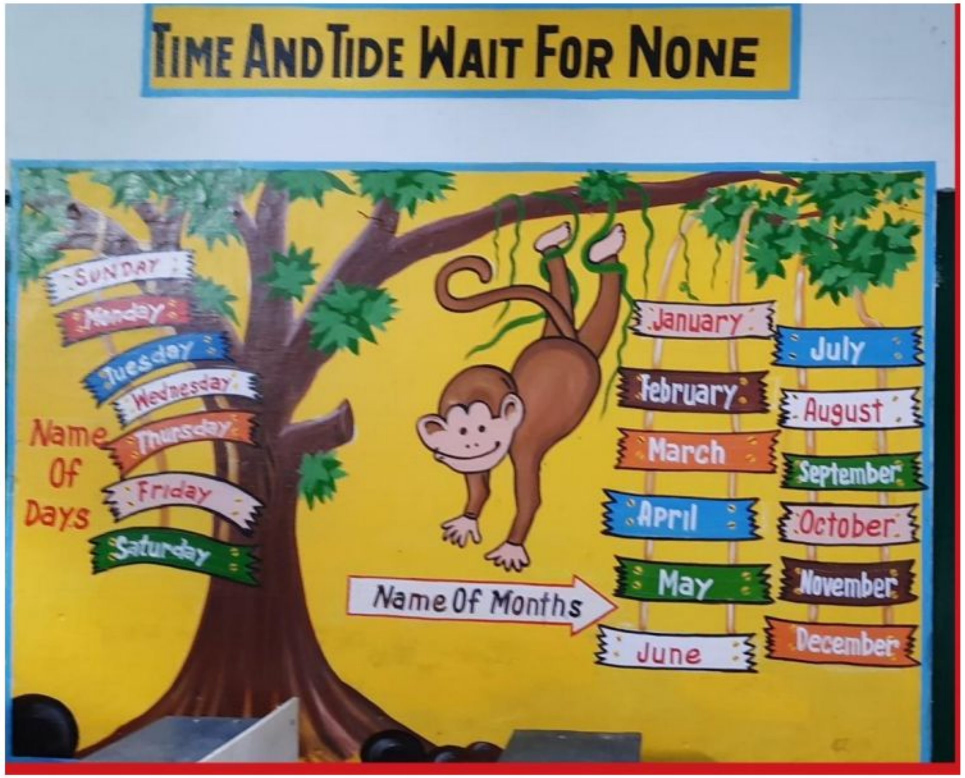
TIME AND TIDE WAIT FOR NONE
SUNDAY
Monday
Tuesday
Wednesday
Thursday
Friday
Saturday
Name Of Days
January
February
March
April
May
June
July
August
September
October
November
December
Name Of Months

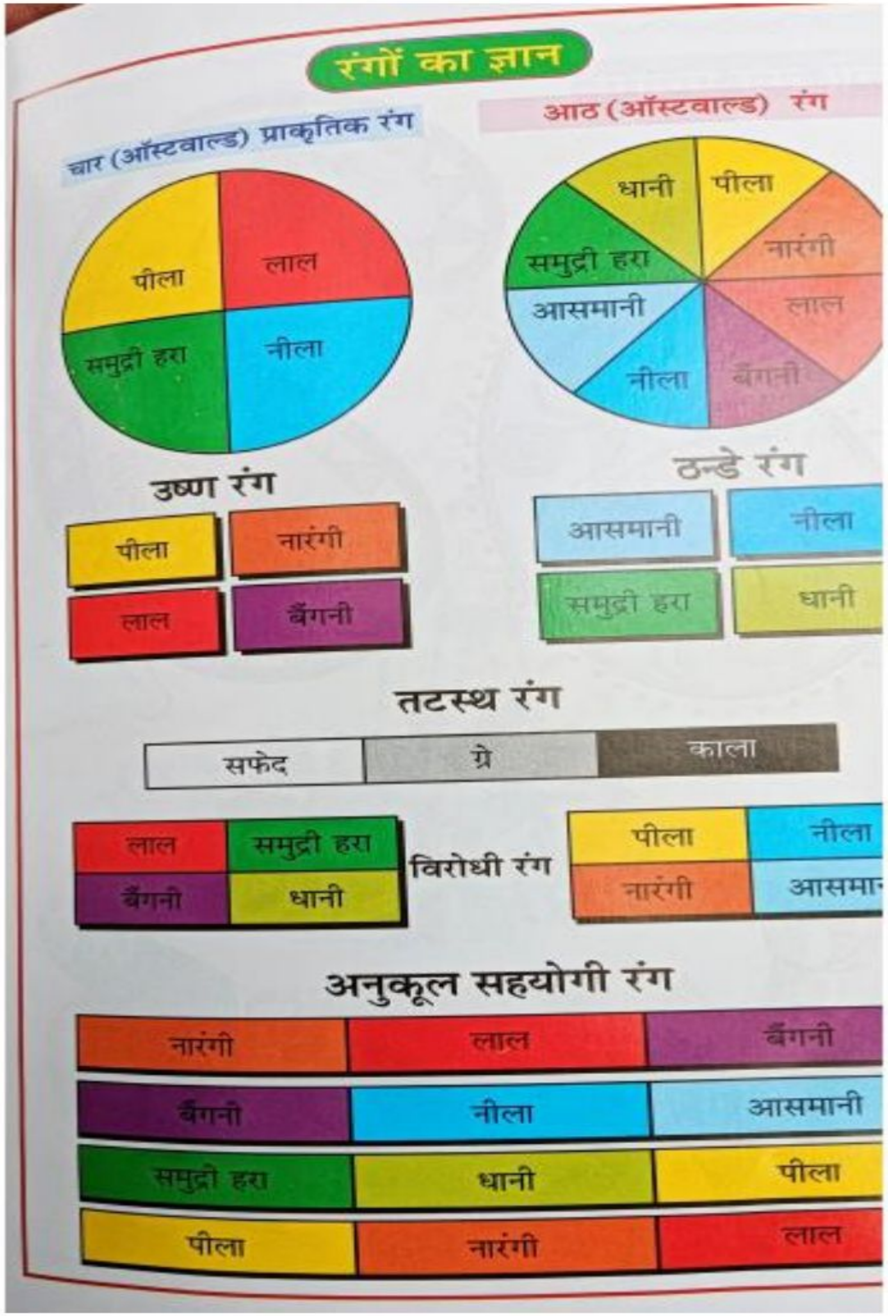
रंगों का ज्ञान
चार (ऑस्टवाल्ड) प्राकृतिक रंग
पीला
लाल
समुद्री हरा
नीला
आठ (ऑस्टवाल्ड) रंग
धानी
पीला
नारंगी
समुद्री हरा
लाल
आसमानी
नीला
बैंगनी
उष्ण रंग
पीला
नारंगी
लाल
बैंगनी
ठन्डे रंग
आसमानी
नीला
समुद्री हरा
धानी
तटस्थ रंग
सफेद
ग्रे
काला
लाल
समुद्री हरा
बैंगनी
धानी
विरोधी रंग
पीला
नीला
नारंगी
अनुकूल सहयोगी रंग
नारंगी
लाल
बैंगनी
बैंगनी
नीला
आसमानी
समुद्री हरा
धानी
पीला
पीला
नारंगी
लाल

रंगो का ज्ञान
YELLOW
GREEN
RED
BLUE
BLACK
WHITE
ORANGE
श्याम-पट्ट

FLOWERS
FRUITS
SUNFLOWER
ROSE
HIBISCUS
JASMINE
APPLE
MANGO
BANANA
POMEGRANATE
CAULIFLOWER
TOMATO
POTATO

यातायात के संकेत
GO, SAYS THE GREEN.
TILL THE LIGHT IS GREEN.
STOP
READY
GO
अन्दर आना मना है
वाहन न खड़ा करें
यहाँ न रुकें
हार्न बजायें
दायें मुड़े
बायें मुड़े
सँकरा पुल
संकरी सड़क
सार्वजनिक टेलीफोन
पेट्रोल पम्प
अस्पताल
साईकिल स्टैण्ड
आटो रिक्शा स्टैण्ड

कक्षा 3

1.पीछे की दीवाल

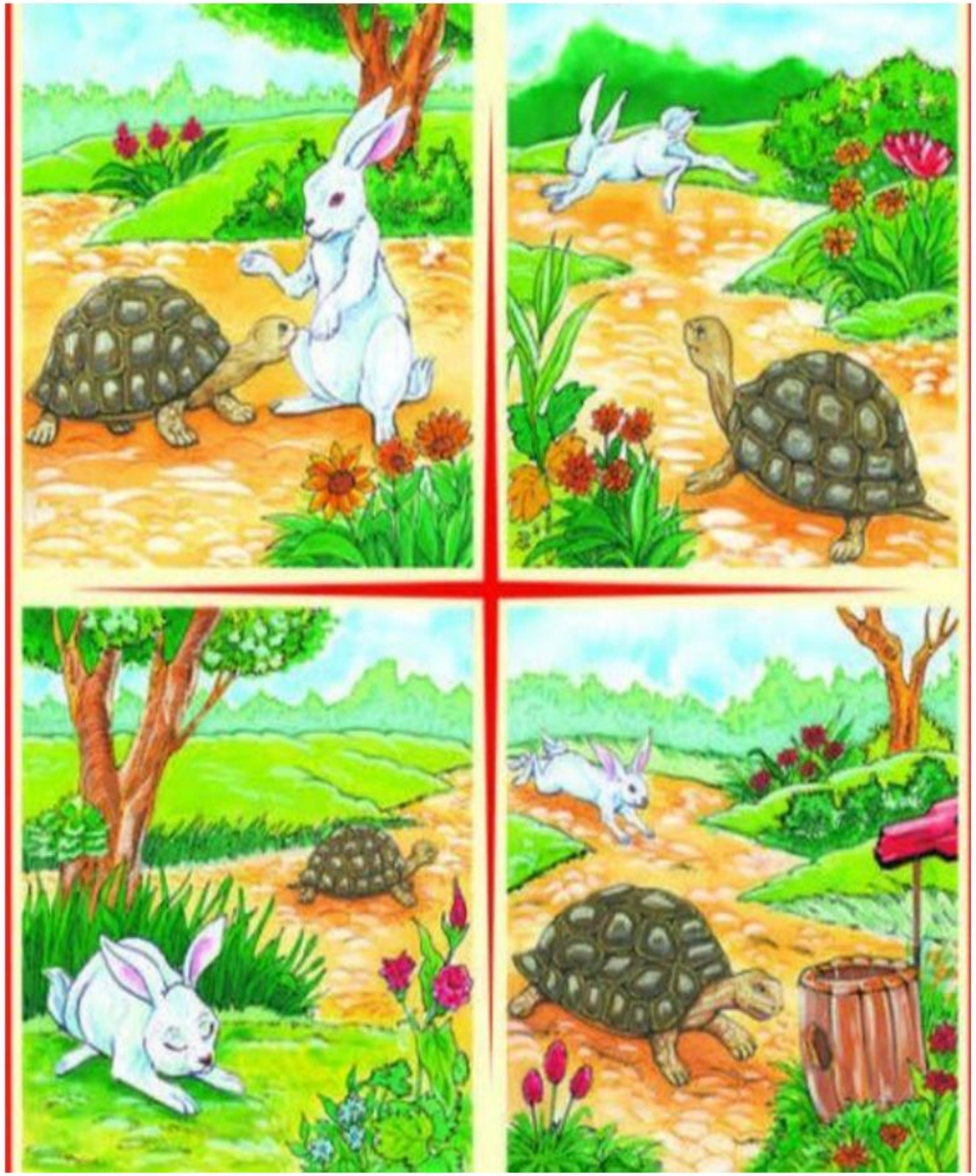

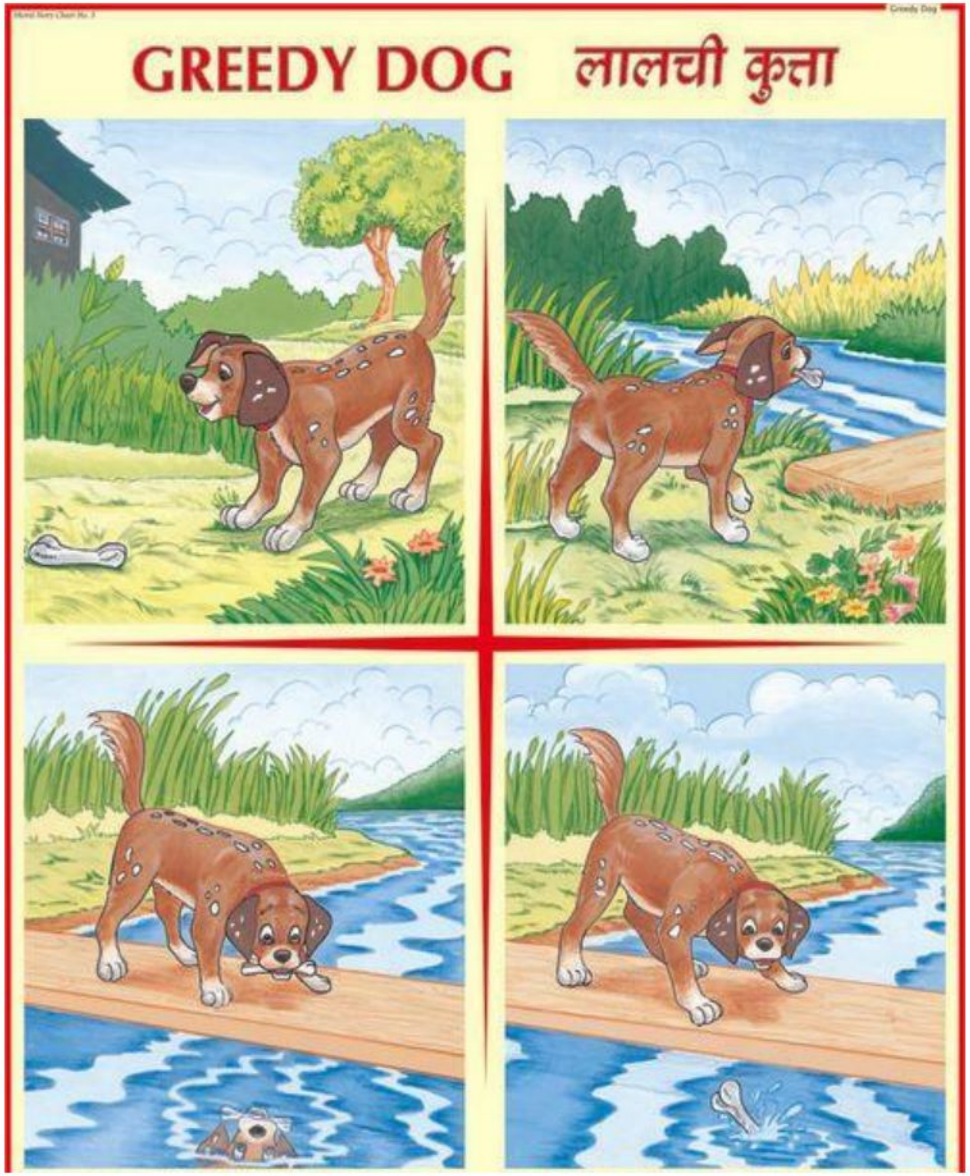

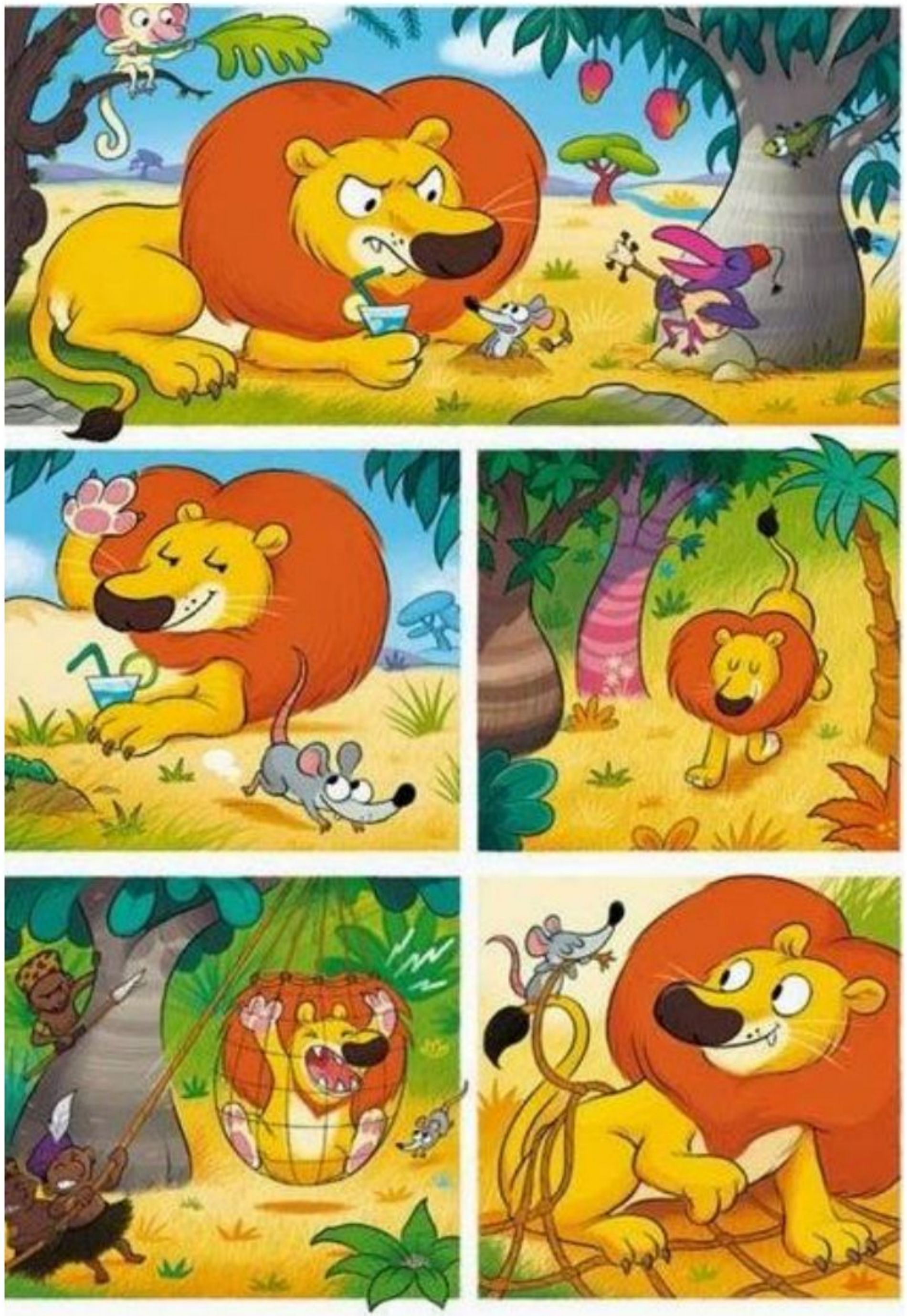

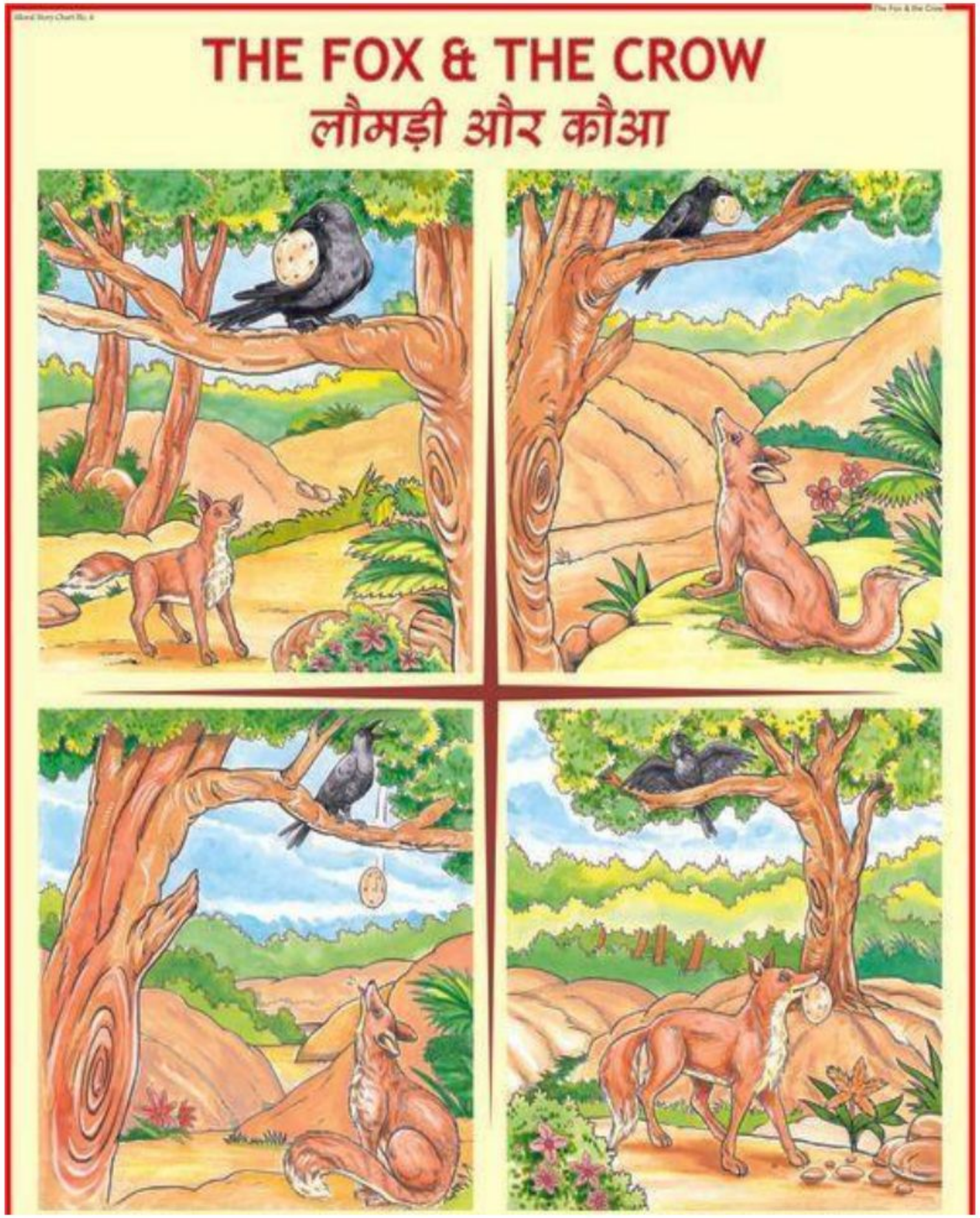
THE FOX & THE CROW
लौमड़ी और कौआ

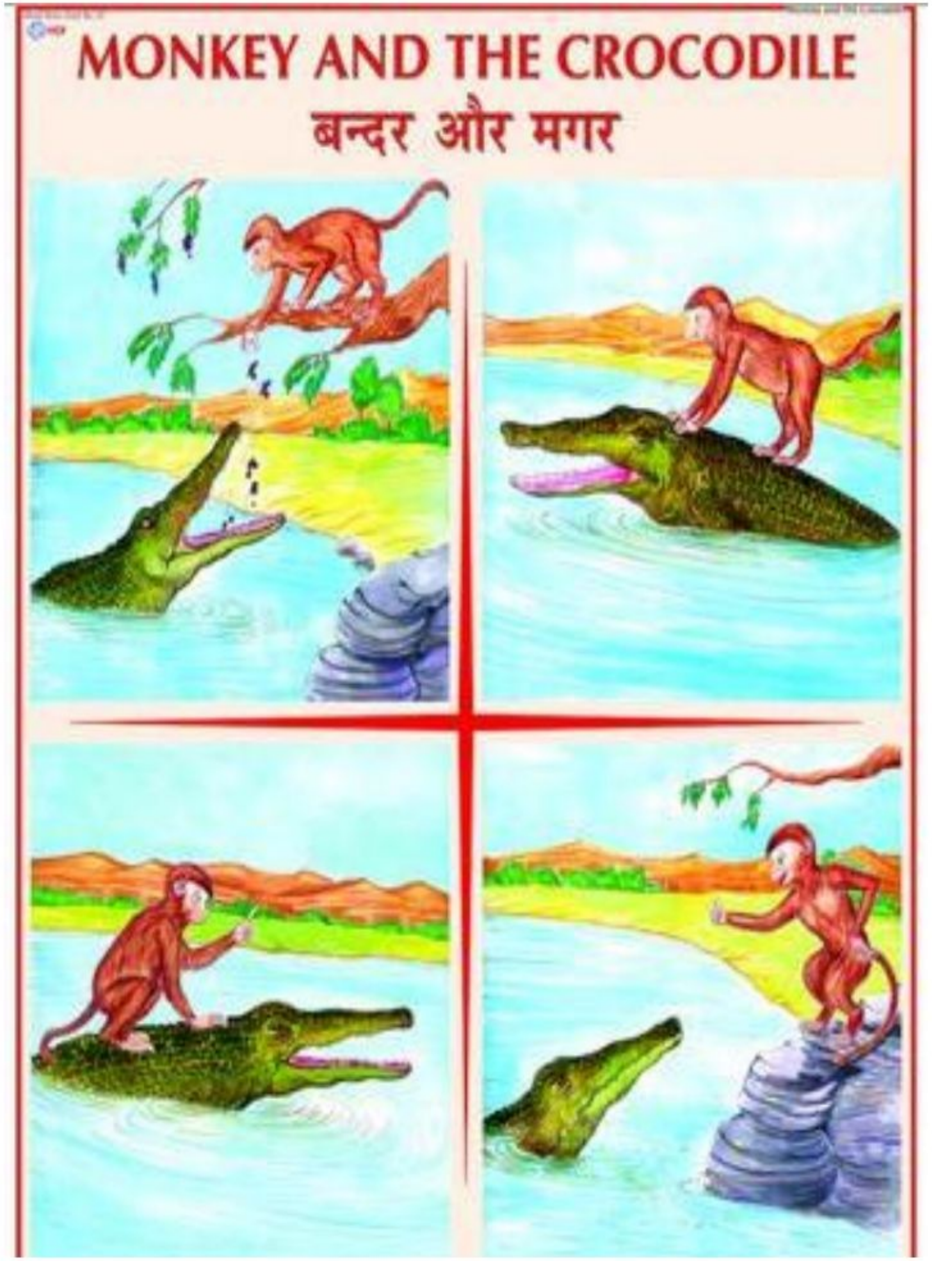
MONKEY AND THE CROCODILE
बन्दर और मगर

www.okuloncesitr.com

2.कक्षा कक्ष दरवाजे के बगल की दीवाल

3. कक्षा कक्ष दरवाजे के सामने की दीवाल

SPRING
SUMMER
SEASONS
AUTUMN
WINTER

कक्षा 4

1.पीछे की दीवाल

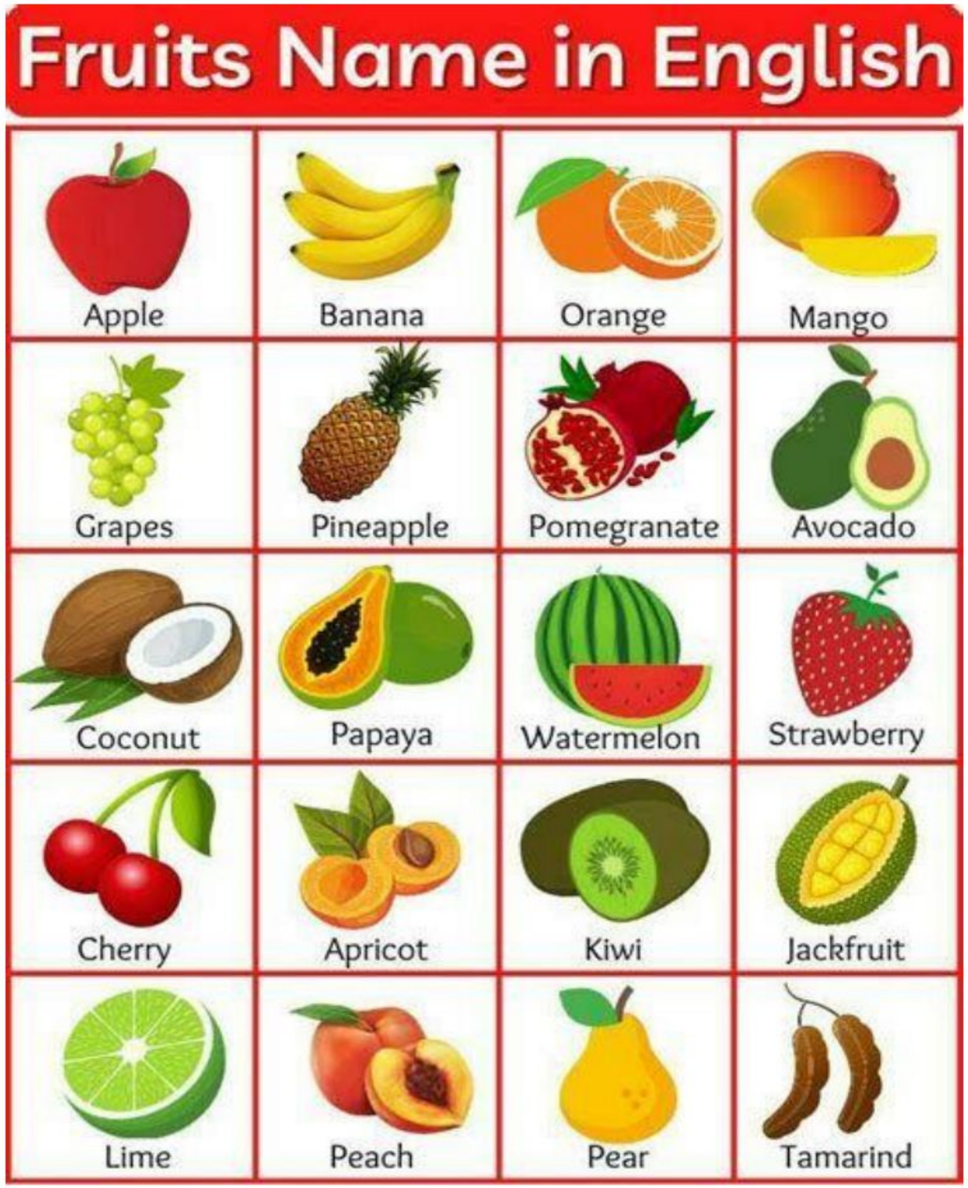

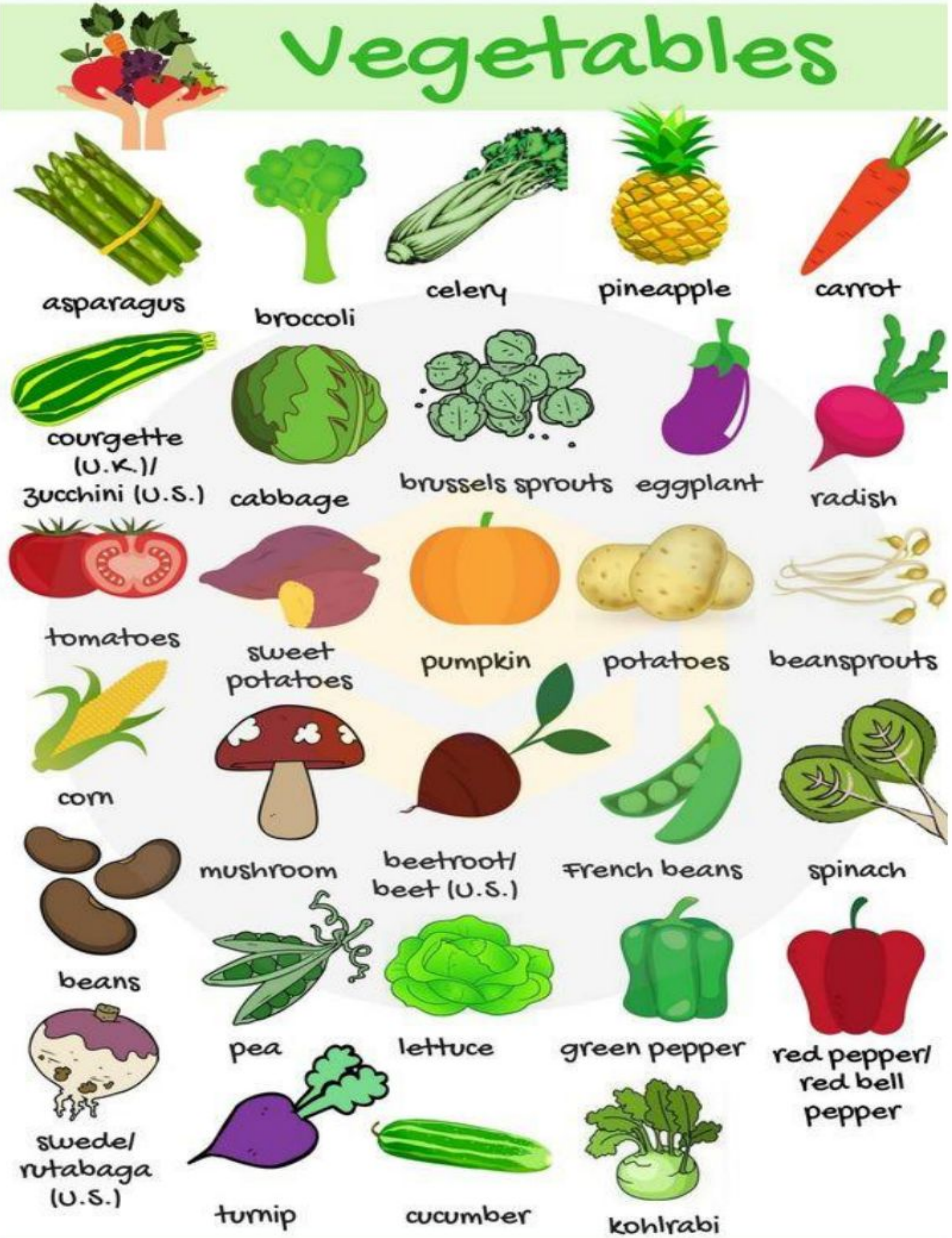
Vegetables
asparagus
broccoli
celery
pineapple
carrot
courgette (U.K.)/ zucchini (U.S.)
cabbage
brussels sprouts
eggplant
radish
tomatoes
sweet potatoes
pumpkin
potatoes
beansprouts
corn
mushroom
beetroot/ beet (U.S.)
French beans
spinach
beans
pea
lettuce
green pepper
red pepper/ red bell pepper
swede/ rutabaga (U.S.)
turnip
cucumber
kohlrabi

Wild Animals Name
Lion
Tiger
Elephant
Giraffe
Bear
Zebra
Panda
Gorilla
Monkey
Kangroo
Wolf
Camel
Hippopotamus
Fox
Deer
Horse
Yak
Jaguar
Rhinoceros

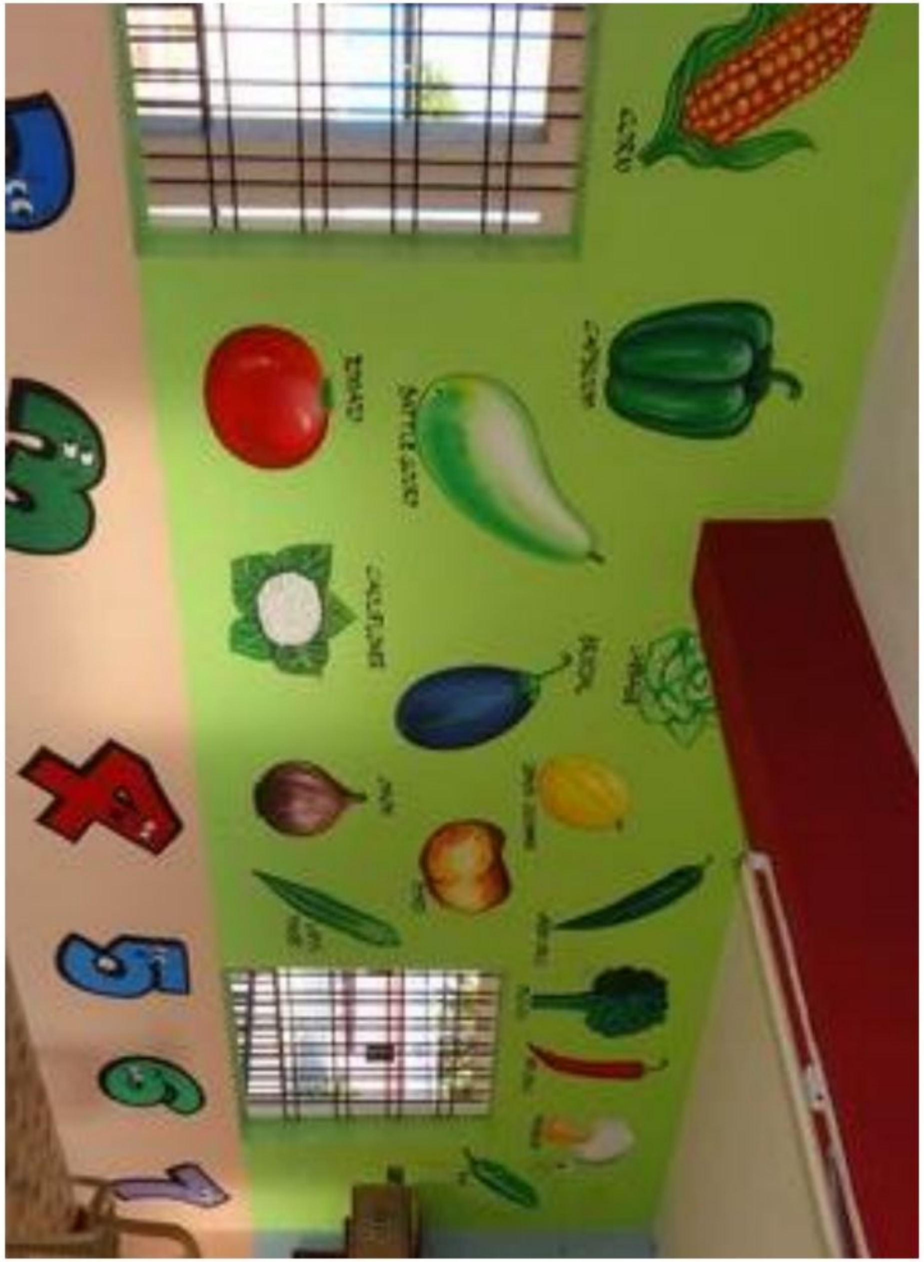

SAR WALL DECORS
8333833355

2. कक्षा कक्ष दरवाजे के बगल की दीवाल

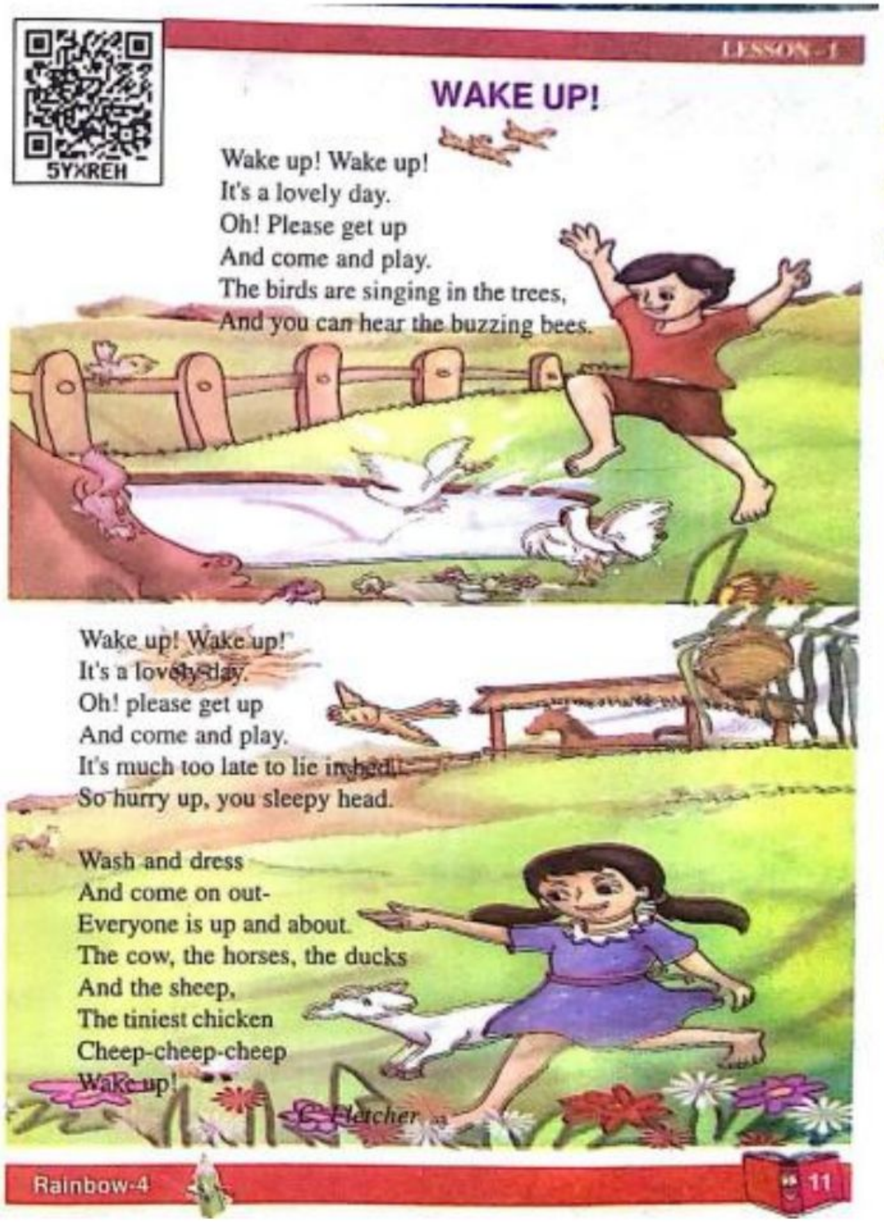

WAKE UP!

Wake up! Wake up!
It's a lovely day.
Oh! Please get up
And come and play.
The birds are singing in the trees,
And you can hear the buzzing bees.

Wake up! Wake up!
It's a lovely day.
Oh! please get up
And come and play.
It's much too late to lie in bed,
So hurry up, you sleepy head.

Wash and dress
And come on out-
Everyone is up and about.
The cow, the horses, the ducks
And the sheep,
The tiniest chicken
Cheep-cheep-cheep
Wake up!

C. Fletcher

A HAPPY CHILD

My house is red- a little house;
A happy child am I.
I laugh and play and live long day;
I hardly ever cry.

I have a tree, a green-green tree,
To shade me from the sun;
And under it I often sit,
When all my work is done.

-Kate Greenaway

कक्षा :5

पीछे की दीवाल

कक्षा कक्ष दरवाजे के सामने की दीवाल

2.कक्षा कक्ष दरवाजे के बगल की दीवाल

MOTHER EARTH

The Earth is my mother
She is good to me.
She gives me everything that I ever need,
Food on the table, the clothes I wear,
The sun and the water and the cool fresh air,
The great provider for me and you.
Her ways are gentle, her life is strong,
Living in tune like a beautiful song,
The Earth is my mother and my best friend too,
The great provider for me and you.
The Earth is my mother
She is good to me.

-Anonymo

Earth day is celebrated on 22nd April

6 प्रकृति की सीख

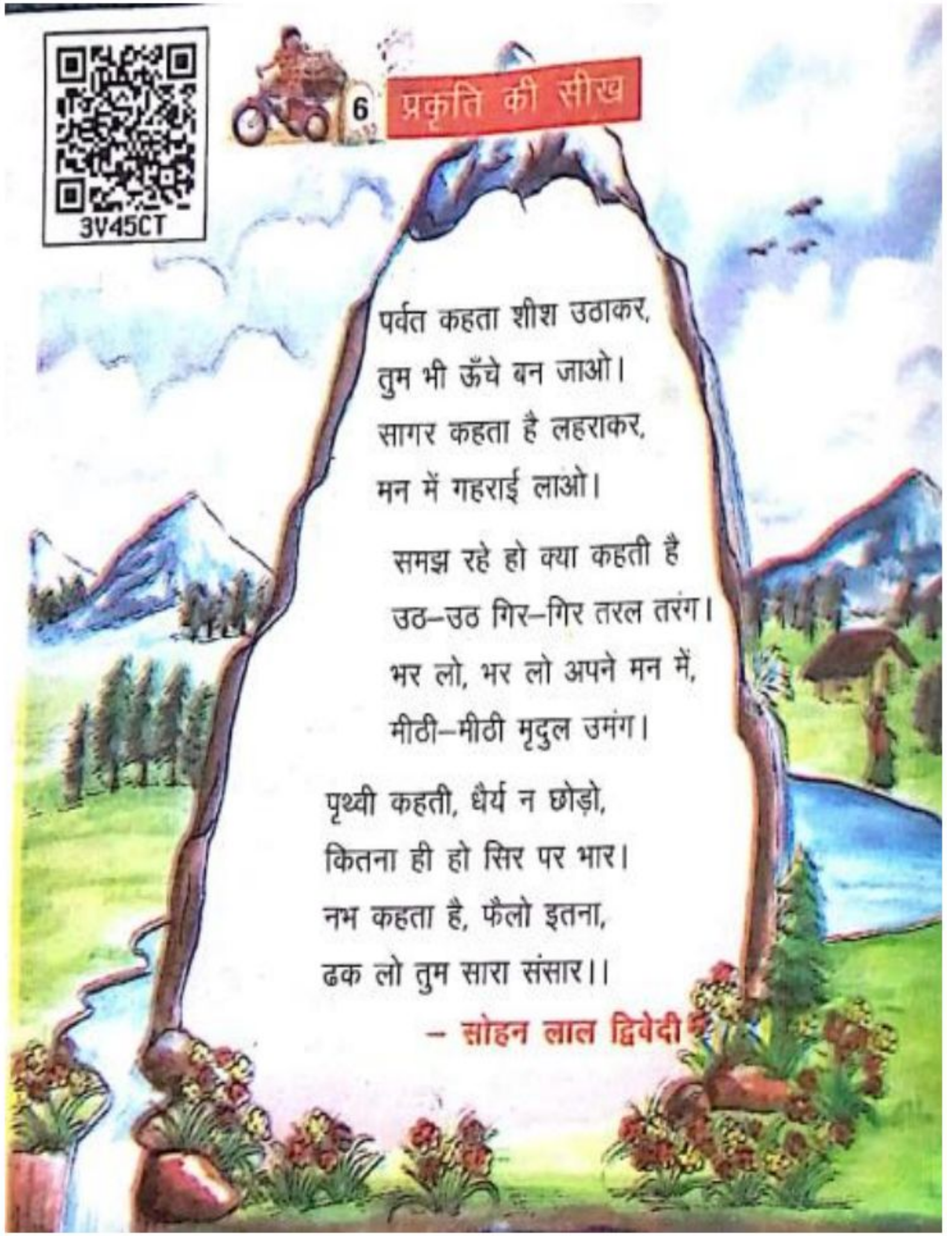

पर्वत कहता शीश उठाकर,
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
सागर कहता है लहराकर,
मन में गहराई लाओ।

समझ रहे हो क्या कहती है
उठ–उठ गिर–गिर तरल तरंग।
भर लो, भर लो अपने मन में,
मीठी–मीठी मृदुल उमंग।

पृथ्वी कहती, धैर्य न छोड़ो,
कितना ही हो सिर पर भार।
नभ कहता है, फैलो इतना,
ढक लो तुम सारा संसार।।

– सोहन लाल द्विवेदी

10 चेतक की वीरता

रण–बीच चौकड़ी भर–भरकर,
चेतक बन गया निराला था।
राणा प्रताप के घोड़े से,
पड़ गया हवा का पाला था।

गिरता न कभी चेतक तन पर,
राणा प्रताप का कोड़ा था।
वह दौड़ रहा अरि–मस्तक पर,
या आसमान पर घोड़ा था।

जो तनिक हवा से बाग हिली,
लेकर सवार उड़ जाता था।
राणा की पुतली फिरी नहीं,
तब तक चेतक मुड़ जाता था।

कौशल दिखलाया चालों में,
उड़ गया भयानक भालों में।
निर्भीक गया वह ढालों में,
सरपट दौड़ा करवालों में।

है यहीं रहा अब यहीं नहीं,
वह वहीं रहा, है वहाँ नहीं।
थी जगह न कोई जहाँ नहीं,
किस अरि–मस्तक पर कहाँ नहीं।

बढ़ते नद–सा वह लहर गया,
वह गया, गया फिर ठहर गया।
विकराल वज्रमय बादल–सा,
अरि की सेना पर घहर गया।

भाला गिर गया, गिरा निषंग,
हय टापों से खन गया अंग।
बैरी समाज रह गया दंग,
घोड़े का ऐसा देख रंग।

– श्यामनारायण पांडेय

वीर रस के सुविख्यात कवि श्यामनारायण पांडेय का जन्म (सन् 1907–1991) जनपद–मऊ, उत्तर प्रदेश में हुआ था। श्यामनारायण पांडेय जी ने चार उत्कृष्ट महाकाव्य रचे, जिनमें 'हल्दी घाटी' और 'जौहर' विशेष चर्चित हुए।

हम हैं किससे कम

नयी राह पर चलने वाले
खुली हवा में पलने वाले
अच्छे बच्चे हम। हम हैं किससे कम।
बोलो, हम हैं किससे कम।।

पाँव नही, लेकिन
अपने परों पर खड़े हुए
हर मुश्किल आसान बनाकर
इतने बड़े हुए
आगे बढ़े कदम। हम हैं किससे कम।
बोलो, हम हैं किससे कम।।

हाथ नही, पर हम लिख सकते
एक नई गाथा
जिसके आगे बड़े–बड़ों का
झुक जाए माथा।
बाँहों में वह दम। हम हैं किससे —
बोलो, हम हैं किससे —

हमें कुरूप समझने वालों
क्या यह नही पता
मन की सुंदरता होती है
सच्ची सुंदरता
तोड़ें सभी भरम। हम हैं किससे कम।
बोलो, हम हैं किससे कम।।

– सूर्य कुमार पांडे

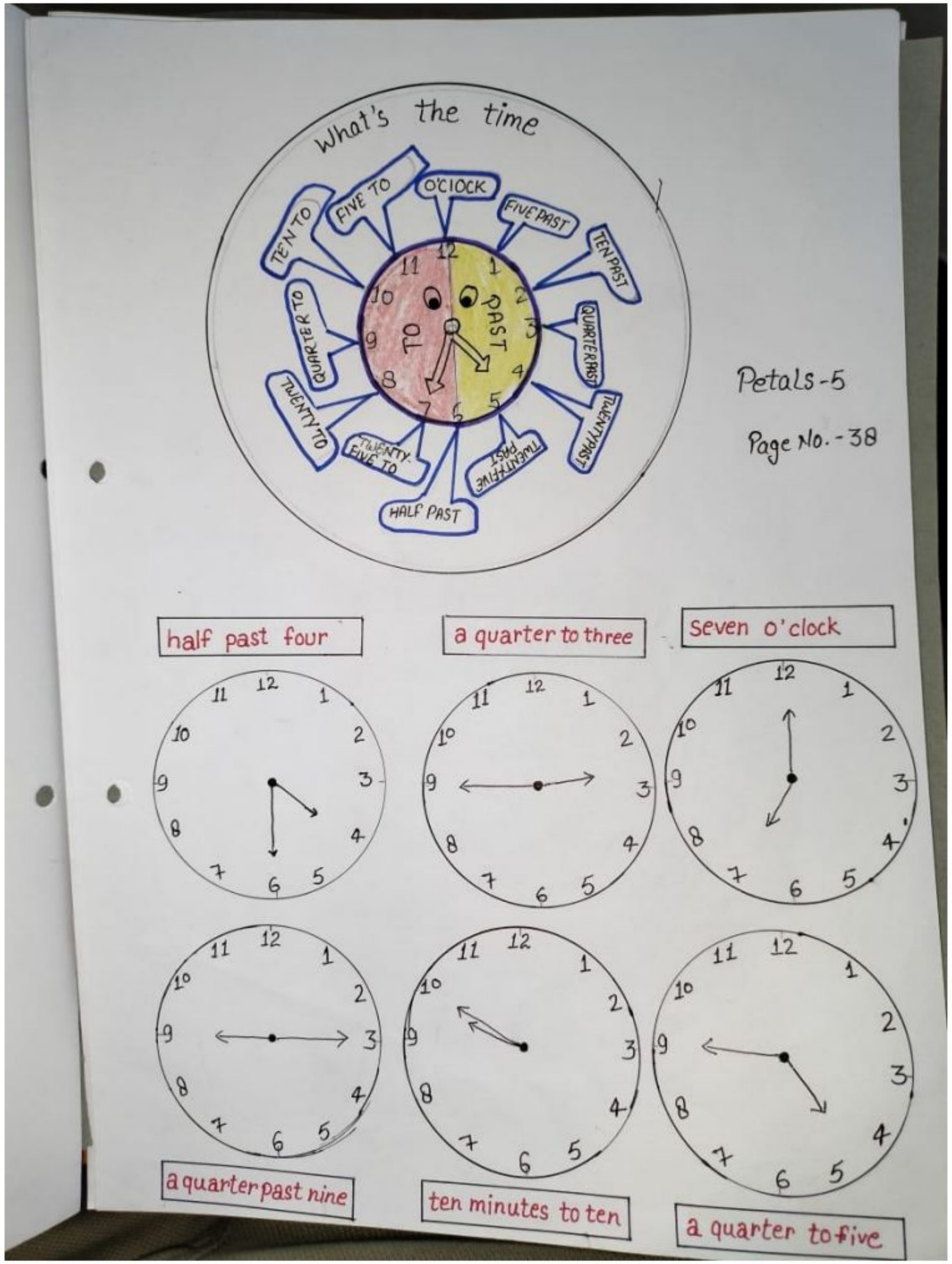
What's the time
O'CLOCK
FIVE PAST
TEN PAST
QUARTER PAST
TWENTY PAST
TWENTY-FIVE PAST
HALF PAST
TWENTY-FIVE TO
TWENTY TO
QUARTER TO
TEN TO
FIVE TO
TO
PAST
Petals-5
Page No.-38
half past four
a quarter to three
seven o'clock
a quarter past nine
ten minutes to ten
a quarter to five

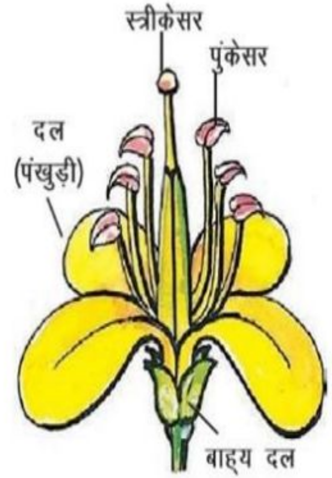
स्त्रीकेसर
पुंकेसर
दल
(पंखुड़ी)
बाह्य दल

फूल
फल
पत्ती
तना
मिट्टी की सतह
जड़

कक्षा 6

1.पीछे की दीवाल

चन्द्रग्रहण एवं सूर्यग्रहण

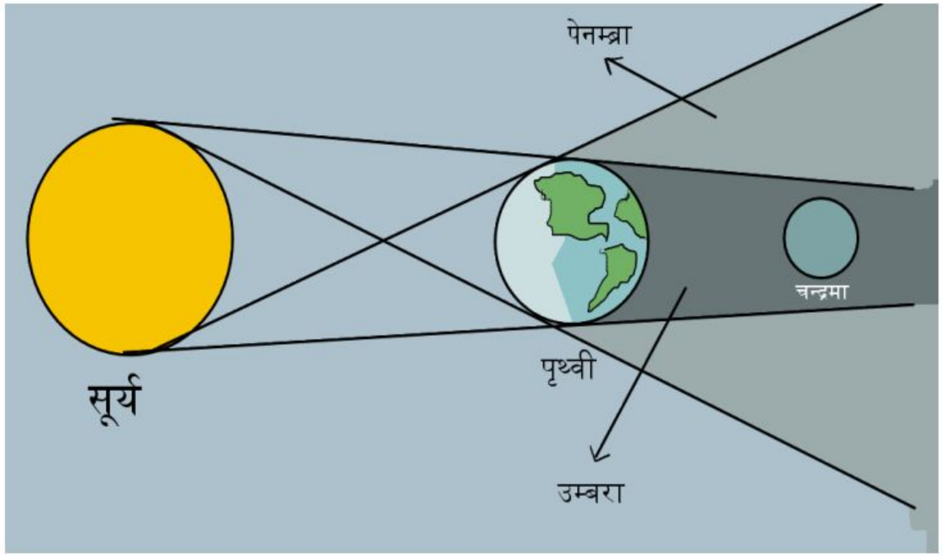

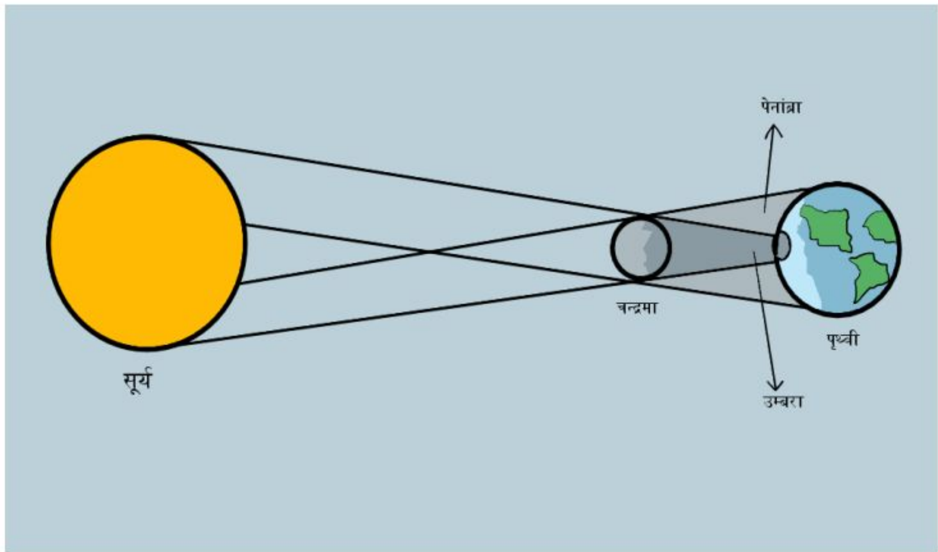

Cross Section of the Earth

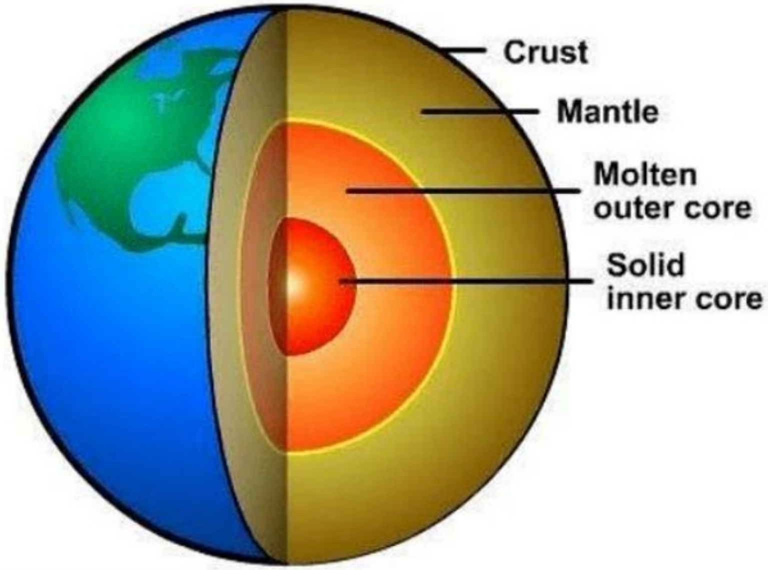

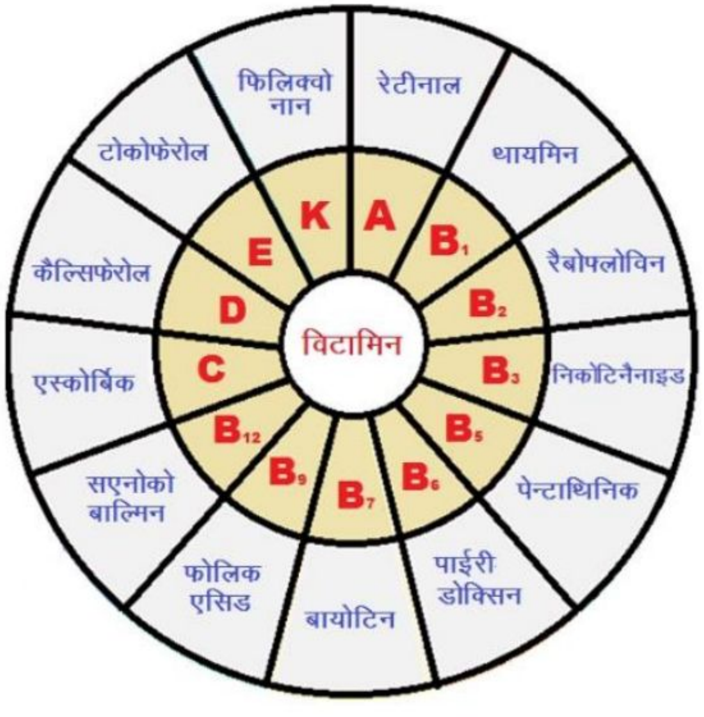

The Honest Woodcutter

कक्षा 7

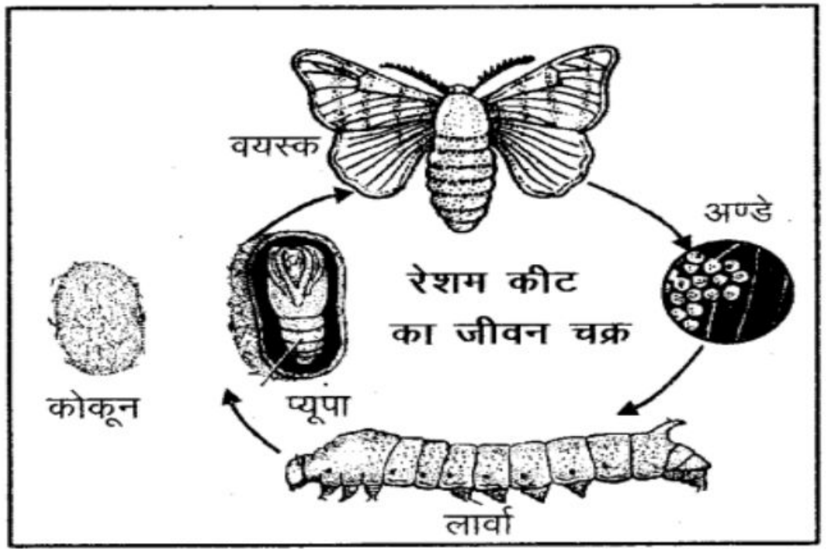

चित्र—रेशम कीट का जीवन चक्र

चित्र 5.13 गैसों में प्रसार

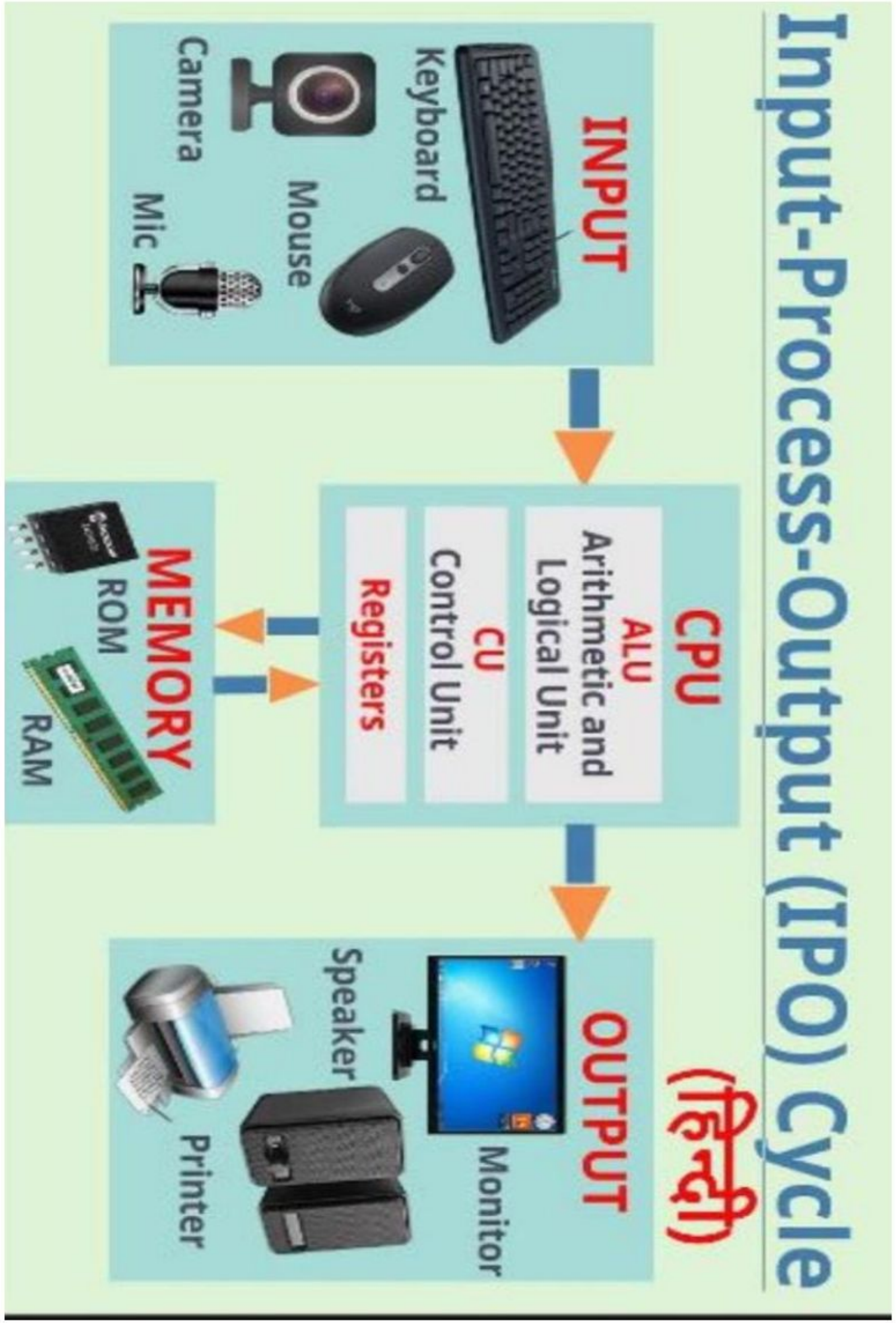

मानव में पाचन तन्त्र

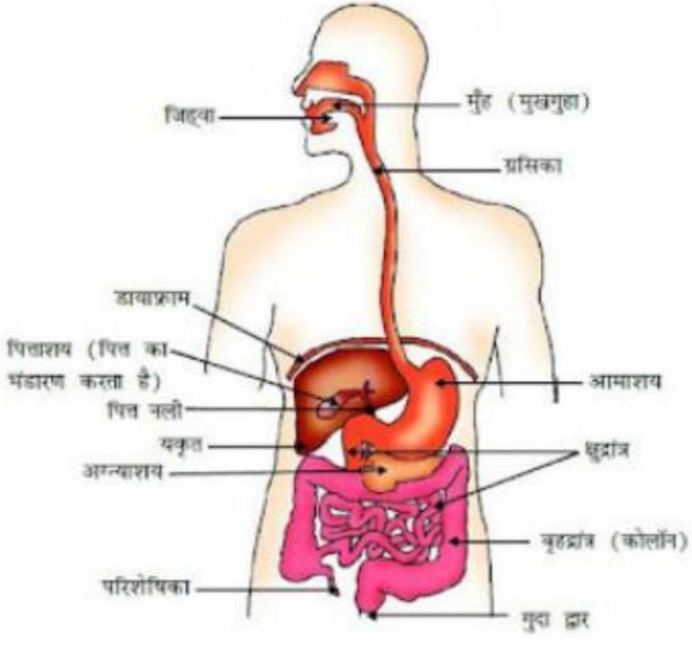

रक्त का आदान-प्रदान

	ग्राही				
	रुधिर वर्ग	A	B	AB	O
दाता	A	✓	X	✓	X
	B	X	✓	✓	X
	AB	X	X	✓	X
	O	✓	✓	✓	✓

साधारण विद्युतदर्शी

चित्र 15.1

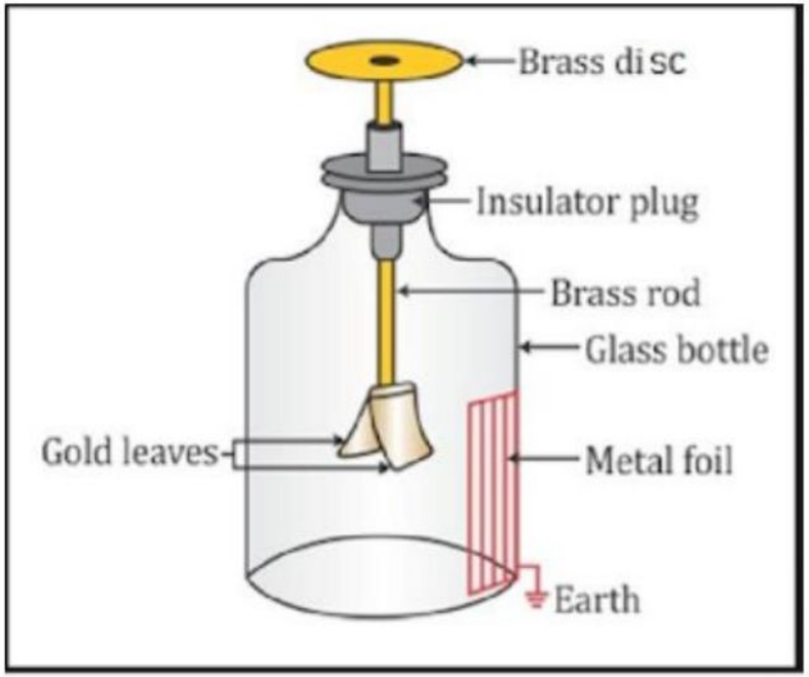

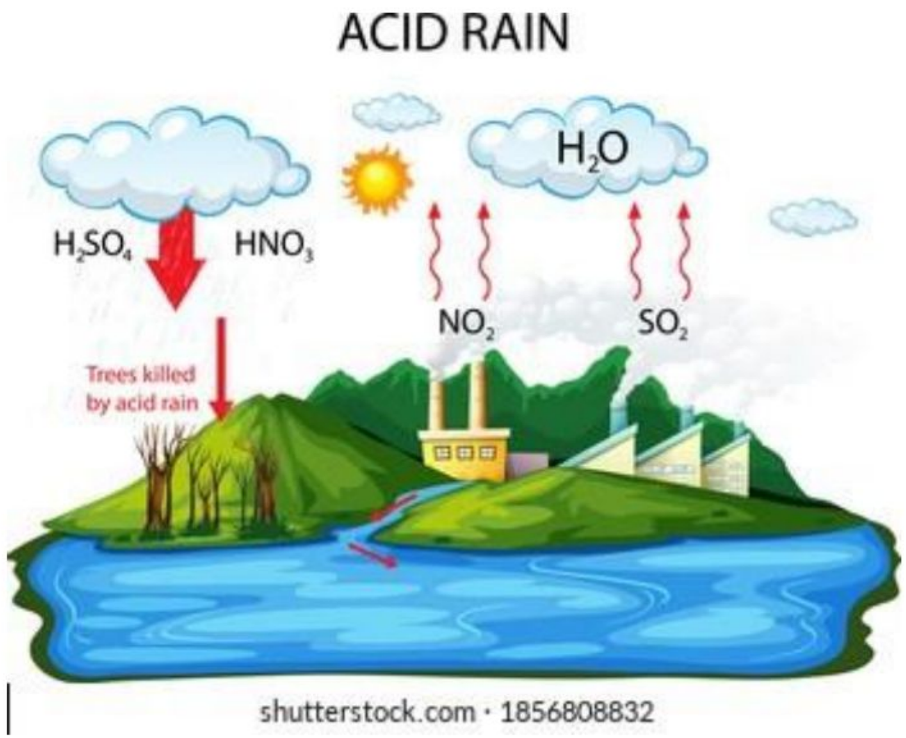

कक्षा 8

खाद्य श्रृंखला
घास
उत्पादक
पानी
टिड्डा
प्राथमिक उपभोक्ता
मेंढक
द्वितीयक उपभोक्ता
सर्प
तृतीयक उपभोक्ता
बाज
अन्तिम उपभोक्ता
कवक
अपघटक

विभिन्न प्रकार के सूक्ष्म जीव
कवक
जीवाणु
प्रोटोजोआ
विषाणु
शैवाल
lal chand art
9415109344

जल चक्र
नदी

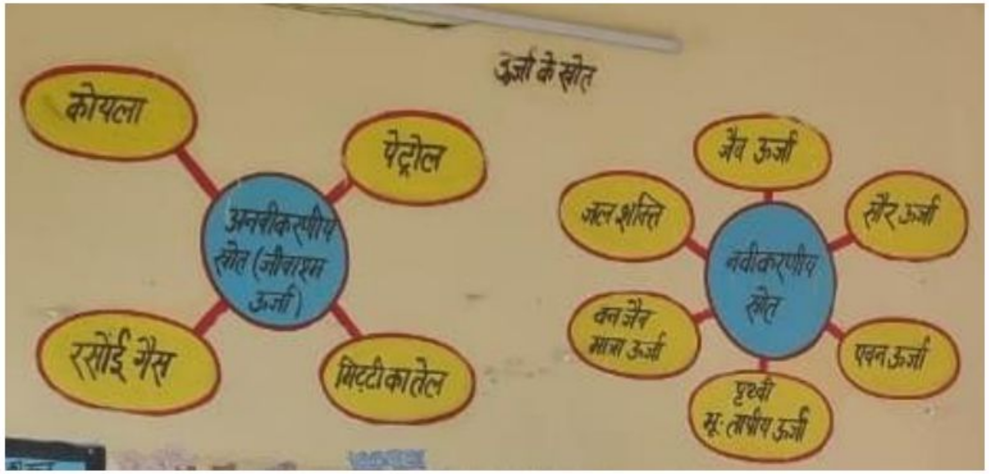
ऊर्जा के स्रोत
कोयला
पेट्रोल
अनवीकरणीय स्रोत (जीवाश्म ऊर्जा)
रसोई गैस
मिट्टी का तेल
जैव ऊर्जा
जल शक्ति
सौर ऊर्जा
नवीकरणीय स्रोत
पवन ऊर्जा
पृथ्वी भू-तापीय ऊर्जा

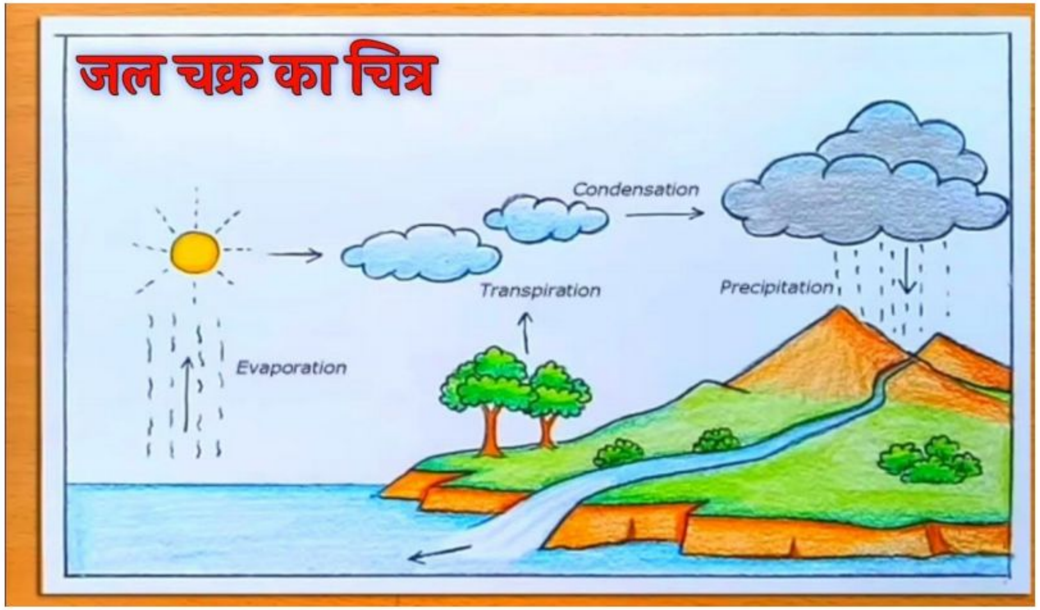
जल चक्र का चित्र
Condensation
Transpiration
Precipitation
Evaporation

विद्युत बल्ब

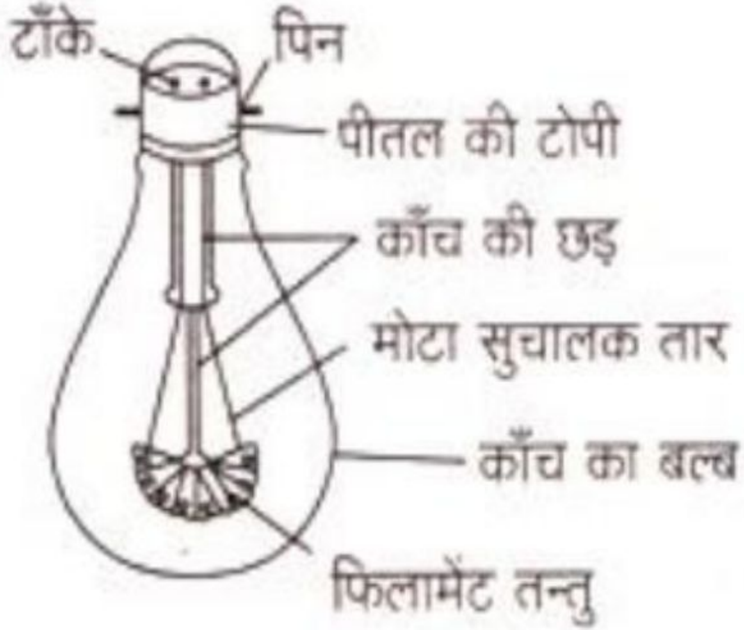
टाँके
पिन
पीतल की टोपी
काँच की छड़
मोटा सुचालक तार
काँच का बल्ब
फिलामेंट तन्तु

SCIENCE
OwenWallArt
handmade

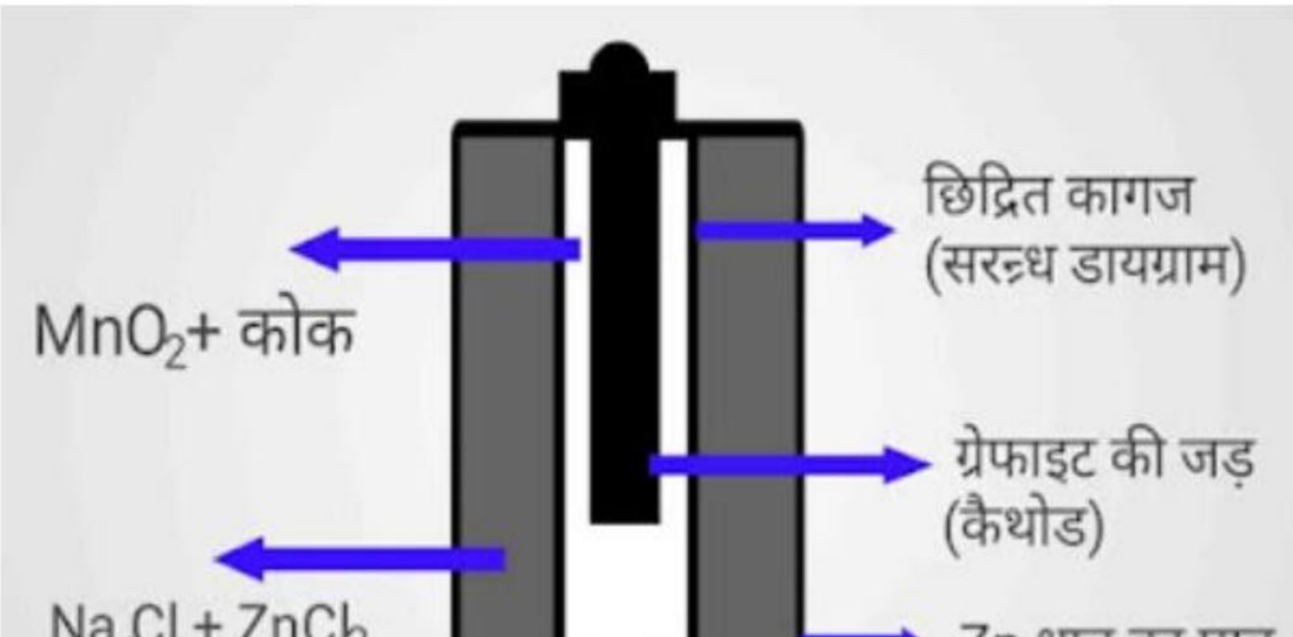
छिद्रित कागज
(सरन्ध्र डायग्राम)
MnO_2+ कोक
ग्रेफाइट की जड़
(कैथोड)
$Na_4Cl + ZnCl_2$
का नमपेस्ट विलयन
Zn धातु का पात्र
(एनोड)

शुष्क सेल का चित्र

बरामदा

1. बरामदे की छत पर सोलर सिस्टम।

2. बरामदे की दीवार पर

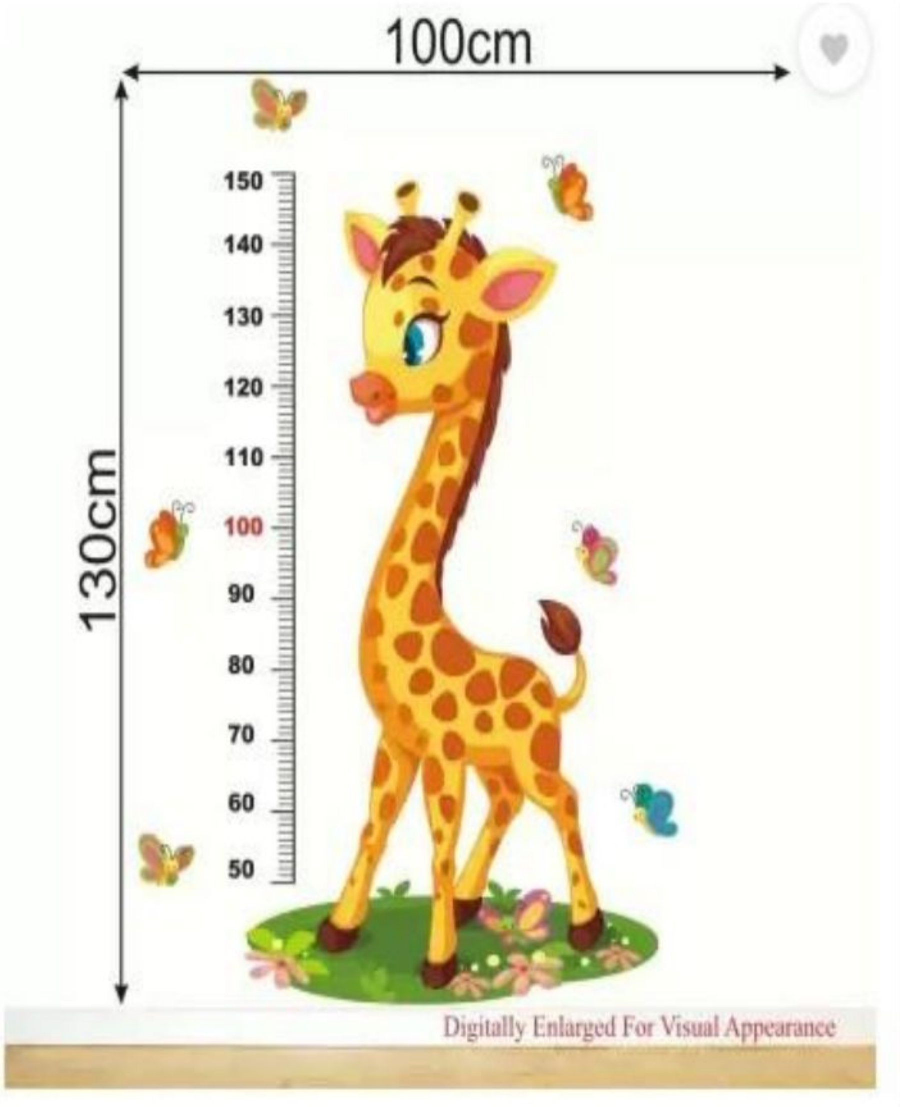
100cm
130cm
150
140
130
120
110
100
90
80
70
60
50
Digitally Enlarged For Visual Appearance

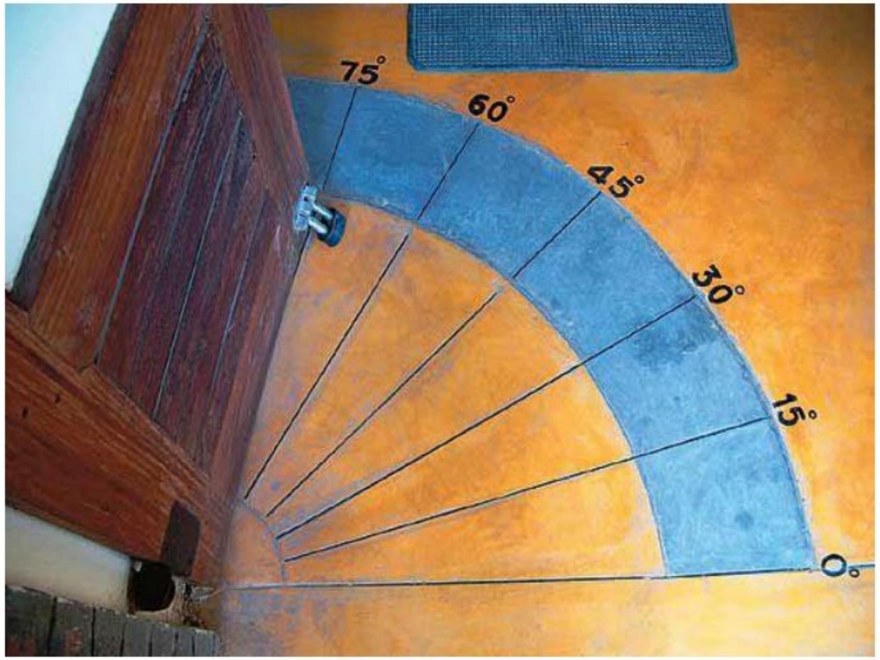
75°
60°
45°
30°
15°
0°

180°
170°
160°
150°
140°
130°
120°
110°
100°
90°
80°
70°

दरवाजे की जमीन पर

3. बरामदे के खम्भों पर

बरामदे के खम्भों का रंग सफेद रहेगा, चित्र को ही अन्य रंग से रंगा जायेगा।

A
B
C
D
E
F
1 ONE
2 TWO
3 THREE
4 FOUR
5 FIVE
6 SIX
7 SEVEN
8 EIGHT
9 NINE
10 TEN

A
B
C
D
E
F

बाउण्ड्रीवाल

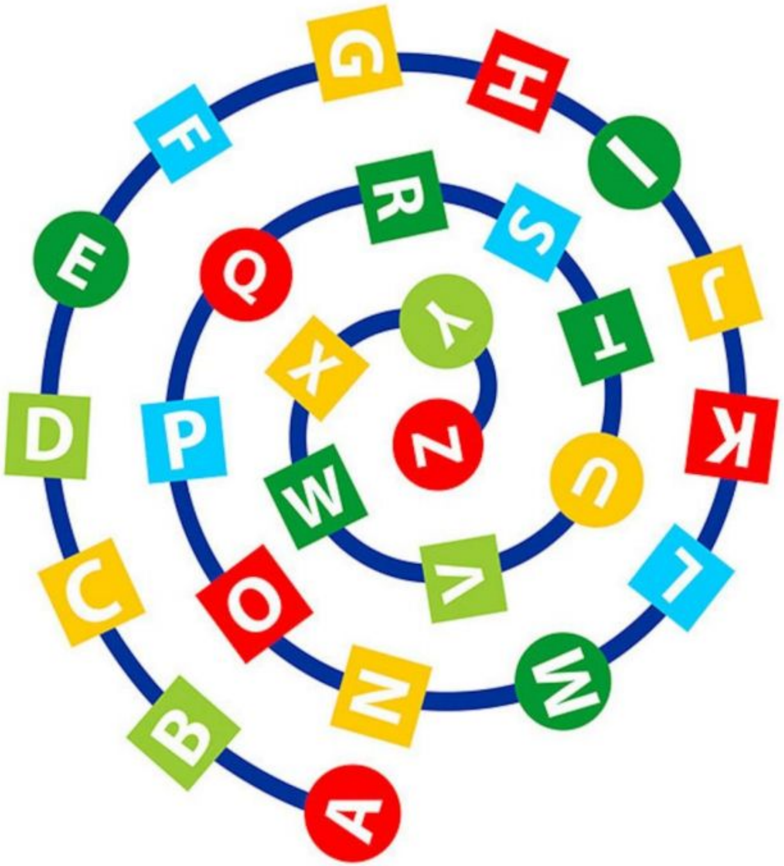
A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

I have a Positive Attitude
I can be BRAVE
think BIG
I Believe In Me
Mistakes help me GROW!
DON'T GIVE UP!
NEVER STOP learning
follow your dreams!

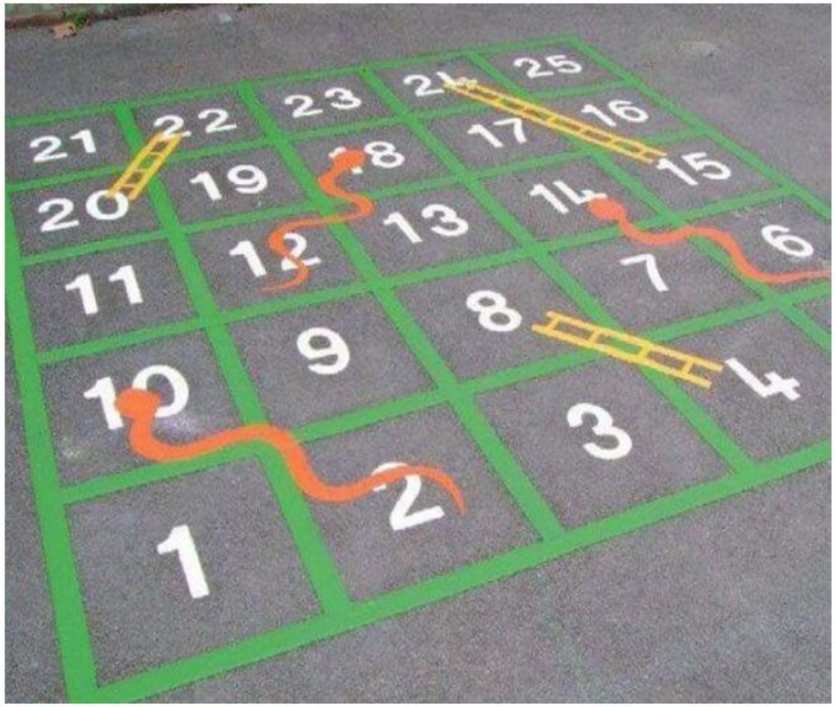

OFFICE
CLASS ROOM-2
GOOD MANNERS

JANUARY
FEBRUARY
MARCH
APRIL
MAY
JUNE
JULY
AUGUST
SEPTEMBER
OCTOBER

ONE, TWO,
BUCKLE MY SHOE;
THREE, FOUR,
SHUT THE DOOR;
FIVE, SIX
PICK UP STICKS;
SEVEN, EIGHT,
LAY THEM STRAIGHT;
NINE, TEN,
A GOOD FAT HEN.
MANGO
आम
BANANA
केला
ORANGE
संतरा
POMEGRANATE
अनार
PAPAYA
पपीता
PLUM
आलूबुखारा
APPLE
सेब
GRAPES
अंगूर
WATER MELON
तरबूज
PINEAPPLE
अनानास
SAPOTTA
चीकू
PEAR
नाशपाती

ELEPHANT
FISH
GRAPES
HORSE
ICECREAM
JUG
KITE
LION
MANGO

APPLE
BALL
CAT
DUCK
ELEPHANT
FISH
GRAPES

RED
GREEN
BLUE
YELLOW
VIOLET
WHITE
BLACK
SKY BLUE

स्कूल
चले
हम

SAVE TREE
SAVE LIFE

जल है तो कल है
खाने से पहले
शौच के बाद
साबुन से धुले
दोनो हाथ।

योगा से संबंधित चित्रों को कम्पोजिट एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों मे पेन्ट किया जाये।

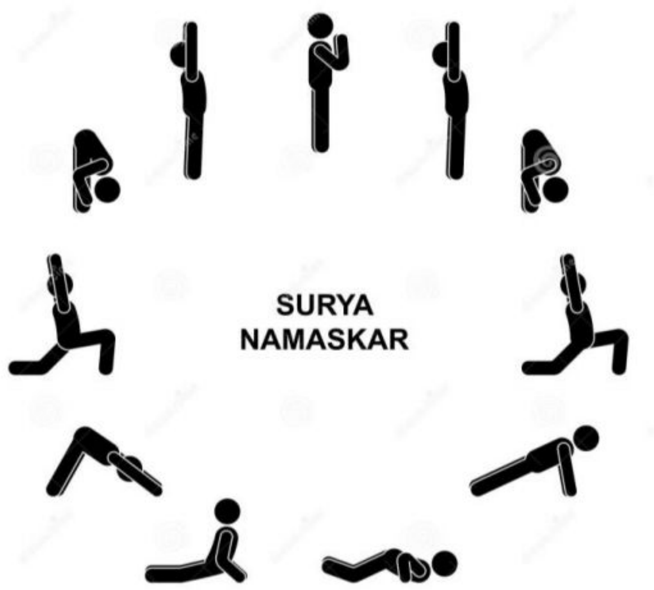

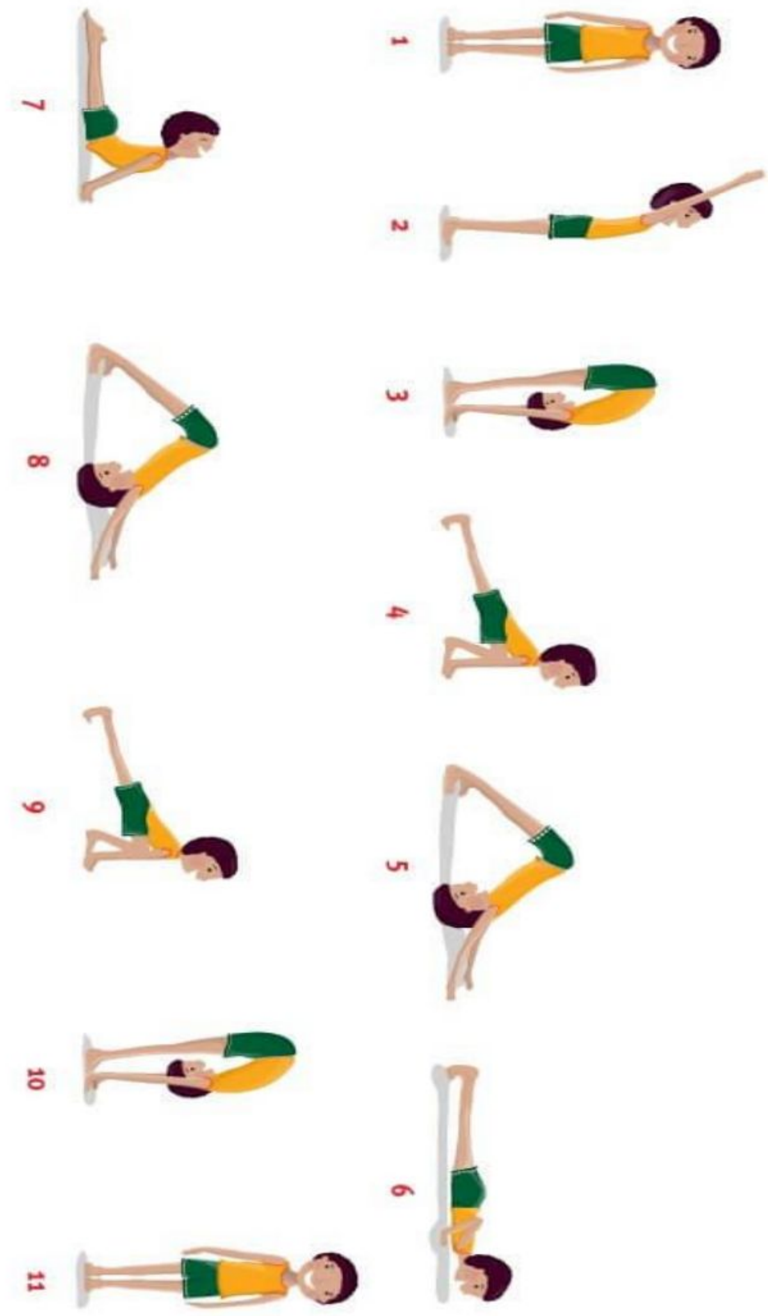

The 12 Steps of Surya Namaskar

PADMASANA

Halsana Yoga Pose

Dhanurasana yoga pose

Bhujangasana yoga pose

Butter Fly yoga Pose

Chakrasana yoga pose

Hand to Toe yoga Pose

Tree Yoga kids Pose

BALASANA OR CHILD'S POSE

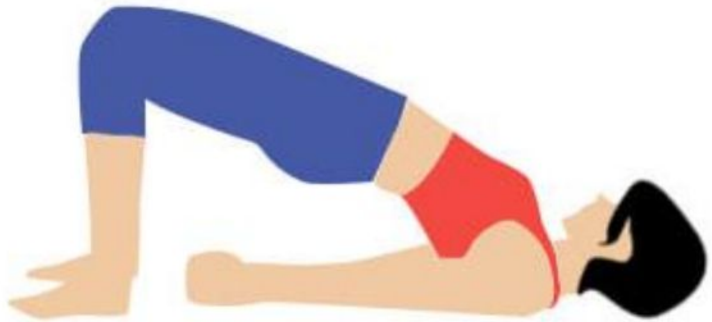

Bridge Pose

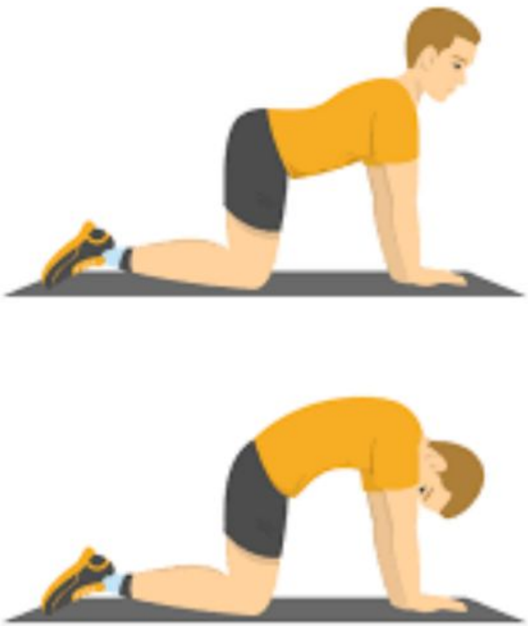

Cat yoga Pose

विद्यालयों के लिए अतिरिक्त पेंटिंग्स

लद्दाख
जम्मू–कश्मीर
हिमाचल
चंडीगढ़
पंजाब
चंडीगढ़
उत्तराखण्ड
दिल्ली
हरियाणा
दिल्ली
राजस्थान
उत्तरप्रदेश
सिक्किम
अरुणाचल
असम
बिहार
मेघालय
नागालैण्ड
मणिपुर
त्रिपुरा
मिजोरम
गुजरात
मध्यप्रदेश
झारखण्ड
पश्चिम बंगाल
छत्तीसगढ़
ओड़ीसा
दादर नागर हवेली
दीव
दमन
महाराष्ट्र
दादर नागर हवेली
तेलंगाना
यनम (पुदुचेरी)
गोवा
आंध्रप्रदेश
कर्नाटक
पुदुचेरी
माहे (पुदुचेरी)
लक्षद्वीप
तमिलनाडु
कराकल (पुदुचेरी)
अण्डमान निकोबार द्वीप

THE WORLD

The Lazy Frog

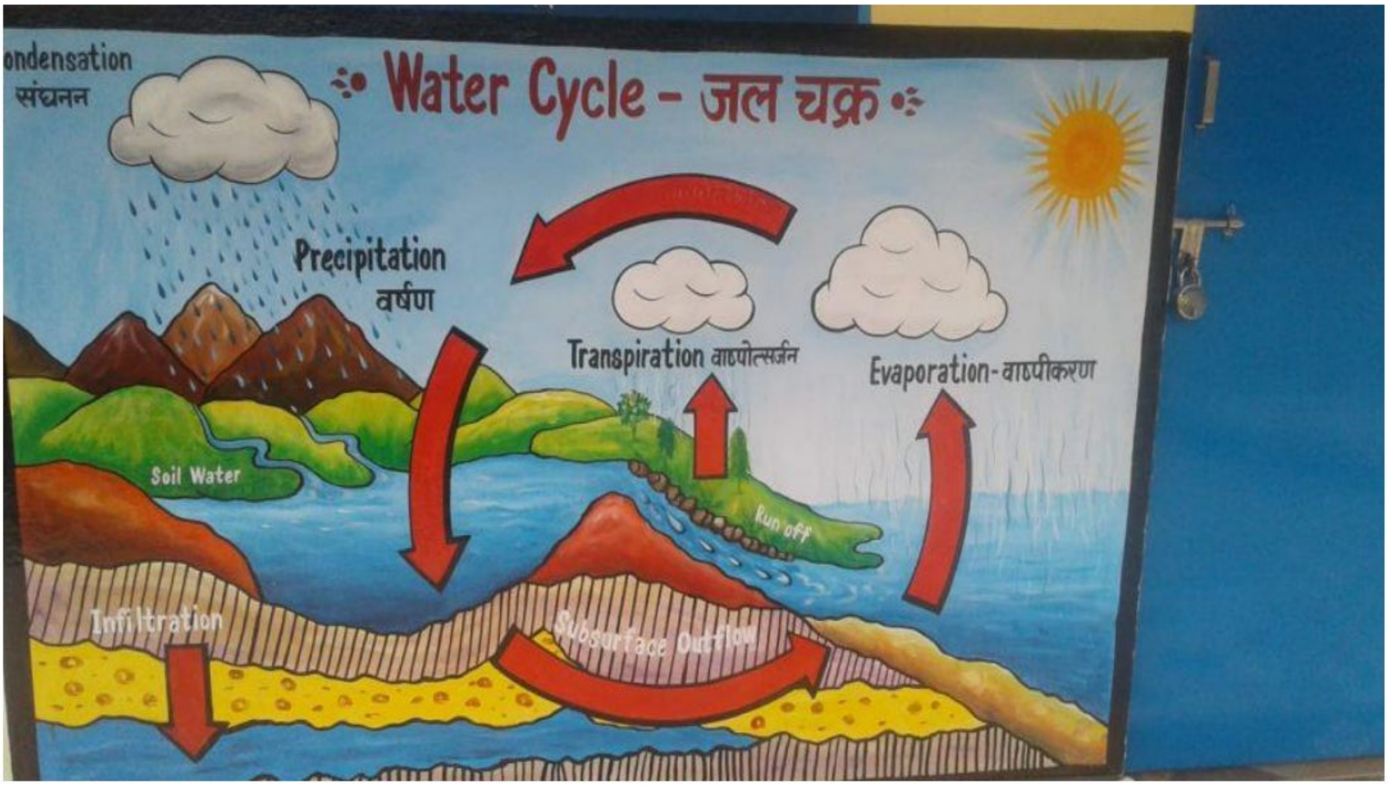
ondensation
संघनन
Water Cycle - जल चक्र
Precipitation
वर्षण
Transpiration वाष्पोत्सर्जन
Evaporation-वाष्पीकरण
Soil Water
Run off
Infiltration
Subsurface Outflow

Building as Learning Aid (BaLA)
UP
ONE
TWO
THREE
FOUR
FIVE
SIX
SEVEN
EIGHT
NINE
TEN
ELEVEN
TWELVE
NINETY-FOUR
NINETY-THREE

Building as Learning Aid (BaLA)

INTEGRITY
ACHIEVE
DEDICATION
RESPECT
COMPASSION
BEING TOLERANT

Building as Learning Aid (BaLA)

Building as Learning Aid (BaLA)

Building as Learning Aid (BaLA)

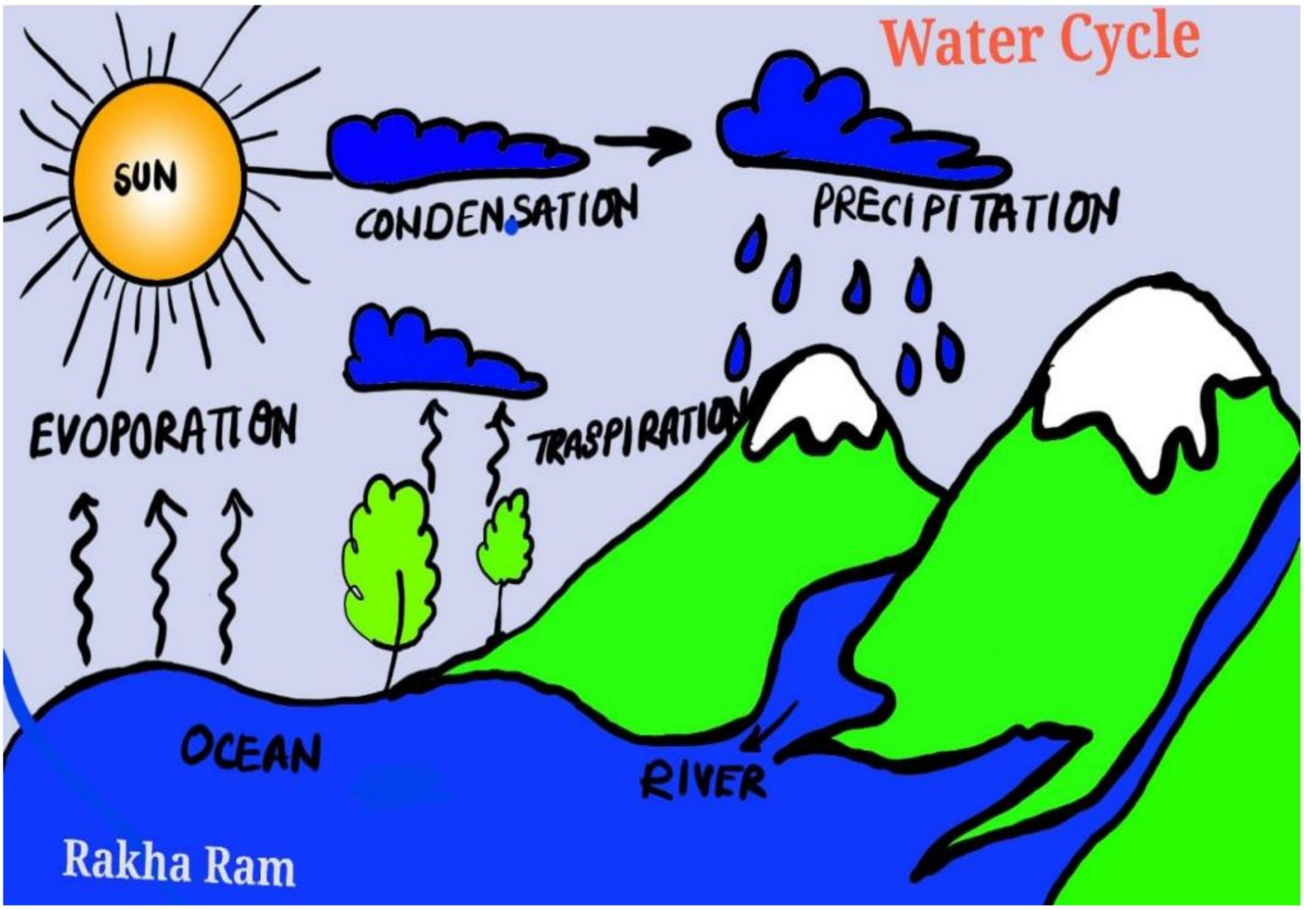
Water Cycle
SUN
CONDEN.SATION
PRECIPITATION
EVOPORATION
TRASPIRATION
OCEAN
RIVER
Rakha Ram

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

उत्तर प्रदेश सरकार

सोन स्कूल कायाकल्प

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

BaLA पुस्तिका

Piramal
knowledge action care

NITI Aayog
(National Institution for Transforming India),
Government of India

सत्यमेव जयते

Scanned by CamScanner

आमुख

छात्रों के ठहराव एवं मनोरंजनपूर्ण शिक्षा के लिए बाला **(BaLA)** एक नया आयाम है। **BaLA-Building** as **Learning Aid** यानि विद्यालय भवन सीखने–सिखाने का माध्यम। गत वर्षो में अलवर के अनेकों विद्यालयों में **BaLA** एक्टिविटी का कार्य किया गया जिसके अभूतपूर्व परिणाम जैसे छात्र संख्या वृद्धि एवं समुदाय का झुकाव स्कूलों के प्रति देखने का मिला।

बाला गतिविधियों का अर्थ है कि विद्यालय के भीतर मौजूद हर वस्तु का शिक्षण सामग्री के रूप में इस्तेमाल करना। जैसे :–जमीन, दीवार, सीढ़ी, पिलर्स, फर्नीचर, पंखे, खिड़कियां, दरवाजे, पेड़–पौधे, खुला मैदान, चार–दीवारी आदि। उदाहरण के तौर पर सीढ़ियों पर गिनती लिखी हुई हों तो बालक सीढियों में उतरते–चढ़ते खेल–खेल में गिनती सीख सकते हैं। फर्श पर बनी खगोलीय, ज्यामितीय आकृतियाँ व अन्य खेलों के द्वारा बालक सहज सीखने की कोशिश करेंगे। छात्र पिलर्स पर बने स्केल से अपनी व दूसरों की लंबाई नापते नजर आयेंगे। दरवाजे के साथ कोण मापक से कोण नापने का ज्ञान सहज होगा।

प्रायः यह देखा जाता है कि विद्यालय भवन के कुर्सी **(Plinth)** तक एवं इससे तीन फीट ऊपर तक के भाग को मरम्मत की अधिक आवश्यकता होती है। संयोगवश यही वह ऊंचाई है जो इन स्कूली बच्चों को सुलभ होती है। इस जगह का ही सर्वाधिक उपयोग बाला में किया जा सकता है। इस जगह पर अभ्यास बोर्ड, चौखाने वाले बोर्ड, बिन्दु बोर्ड बनाए जा सकते हैं जिन पर बालक स्वयं अभ्यास कर सकते हैं। दरवाजों पर चित्र बनाकर उनका उपयोग किया जा सकता है। इस प्रकार विद्यालय के प्रत्येक अवयव का उपभोग बाला में किया जा सकता है। साईकिल, बस, ट्रक, जीप, कार के अनुपयोगी टायरों द्वारा अनेक खेल तैयार किए जा सकते हैं। रैम्प में रेलिंग का उपयोग बच्चों के लिए टेलीफोन का खेल भी हो सकता है। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी चित्र बालकों में जागरूकता पैदा करेंगे। कुछ दृश्य भ्रम के चित्र भी बालकों को आकर्षित करेंगे। झूला, फिसलनी एवं अन्य खेलने के साधन शाला में ही विकसित करने होंगे।

शिक्षक समाज एवं विद्यालय की वह कड़ी है जो इस देश को नई दिशा दे सकता है। शिक्षक का प्रभाव बालक पर सबसे ज्यादा नज़र आता है क्योंकि शिक्षक ही बालक की मनोदशा को भली प्रकार समझता है। ऐसे अनेक कार्य करते हुए शिक्षक विद्यालय की स्थिति एवं उपलब्ध संसाधनों से ही बाला का नया रूप प्रदान कर सकता है। प्रायः देखा जाता है कि बालक स्कूल छोड़कर गलियों में कंचे या अन्य खेल खेलते नज़र आते हैं। जब शाला में ही उन्हें खेल–खेल में ही पढ़ाई की सुविधा मिलेगी तो कोई कारण नहीं जो ये बालक शाला में न रूके बल्कि छुट्टी के बाद भी इनका घर जाने को मन नहीं करेगा। यदि बाला कार्य के साथ समाज को भी जोड़ा जावे और समाज के लोगों को बाला के उद्देश्य बताए जाए तो समाज का भी सहयोग अवश्य मिलेगा और शाला में बालकों द्वारा होने वाली तोड़–फोड़ नहीं करने के प्रति जागरूकता पैदा होगी।

आओ–हम सभी मिलकर बाला गतिविधि के द्वारा इन नन्हीं कलियों को सुन्दर फूल में परिवर्तित करने में सहयोग करें। अपने कर्त्तव्यनिष्ठ समर्पण के साथ। तभी आने वाला कल हमारा स्वागत करेगा।

Scanned by CamScanner

विद्यालय में बाला योजना बनाने हेतु सुझाव

1. सबसे पहले विद्यालय परिसर का मौका मुआयना करें एवं उपलब्ध खाली जगह, दीवार, फर्श, बरामदा, कक्ष, सीलिंग, सीढ़ियां, दरवाजे, खिड़कियां, शौचालय, पानी का स्थान, ब्लैक–बोर्ड, फर्नीचर, पेड़–पौधे, रसोईघर एवं आंगन के बाला में उपयोग की दृष्टि से रूपरेखा तैयार करें।
2. रूपरेखा तैयार करते समय भविष्य में होने वाले निर्माण कार्य का भी ध्यान रखा जावे। रूप रेखा इस तरह से तैयार करें कि सम्पूर्ण स्कूल एक यूनिट में हो जिससे आगे कोई तोड़–फोड़ न करनी पड़े। बाला के अधिकतम अवयवों को शाला में स्थापित करने की योजना बनाएं। योजना निर्माण के समय विद्यालय प्रबन्धन समिति, समुदाय, जनप्रतिनिधि, कनिष्ठ अभियन्ता एवं अन्य विशेषज्ञों का भी सहयोग लिया जा सकता है। तत्पश्चात् तैयार प्रारूप का विद्यालय प्रबन्धन समिति से अनुमोदन कराकर, प्रधानाध्यापक कक्ष में एक चार्ट बनाकर टांग दिया जावे। इससे भविष्य में शाला में होने वाले निर्माण कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से कर सकते हैं।
3. योजना तैयार करने के पश्चात् उपलब्ध राशि एवं तखमीने के अनुसार भविष्य में कार्य करवाते जावें।
4. यदि निर्माण कार्य नया किया जा रहा है तो निर्माण में ही बाला विचारों को प्रारम्भ से ही डाला जावे। यदि मरम्मत की आवश्यकता है तो उसके साथ ही बाला विचार भवन में डाले जाने चाहिए। जैसे :–फर्श को रिपेयर किया जा रहा है तो उसमें ज्यामितीय आकृतियां कारीगर द्वारा स्थाई रूप से बनवाई जा सकती है।
5. पेन्टर द्वारा किए जाने वाले कार्य में सावधानी की आवश्यकता है। जैसे रंग अच्छी किस्म के हों एवं जिस धरातल पर यह कार्य किया जा रहा है उसका आधार सही प्रकार तैयार किया गया हो अन्यथा थोड़े दिनों में ही रंग पपड़ी बनकर हट सकता है।
6. समस्त कार्य कारीगर / पेन्टर के भरोसे नहीं छोड़कर, शिक्षक को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि कार्य में कोई त्रुटि तो नहीं है।
7. बाला कार्य करवाते समय बालकों के स्तर का विशेष ध्यान रखें। बाला कार्य इस प्रकार का हो जिसमें बालकों की अन्तः क्रिया अधिकाधिक हो सके।
8. विद्यालय को अलग–अलग हिस्सों में बांटकर प्रारूप तैयार करें। जैसे :–
   1. कक्षा–कक्ष/लहर कक्ष 2. बरामदा एवं सीढ़ी 3. चारदीवारी व मुख्य द्वार
   4. आंगन 5. शौचालय 6. रसोईघर 7. पेयजल
9. बाला में इस प्रकार के विचारों का निर्धारण करें कि बालक खेल–खेल में मानसिक क्रिया करें जिससे उन्हें कुछ सोचने व करने की चुनौती मिल सके। इसके द्वारा मिला ज्ञान अधिक स्थाई होगा।
10. बालक खेल–खेल में सभी विषयों को सीख सके, इसलिए बाला में प्रत्येक विषय का ध्यान रखना चाहिए।

Scanned by CamScanner

विद्यालय में किए जाने वाली बाला गतिविधियाँ

कक्षा-कक्ष / लहर कक्षः-

1. **सर्वप्रथम** कक्षाओं का निर्धारण किया जाए कि कौन सी कक्षा किस कक्षा–कक्ष में बैठेगी। कमरे का चुनाव बालकों की उम्र व कक्ष की भौतिक स्थिति के अनुसार किया जाए।
2. **कक्ष के बाहर** दरवाजे के ऊपर दीवार पर बरामदे वाले भाग में कक्ष का नाम लिखवाए। उसके नीचे कक्षा 1, 2, 3 आदि अंकित की जाए। दरवाजे के ऊपर या साईड में दीवार पर कमरे का नक्शा एवं कमरे की माप भी लिखी जा सकती है। कमरों पर नाम महापुरूषों / वैज्ञानिकों आदि के नाम पर रखा जा सकता है।
3. **कक्षा 1 व 2** के कमरे में बालकों की पहुँच तक दीवारों पर बोर्ड बनवाये जा सकते हैं। जिन पर बालकों के द्वारा चॉक से लिखने हेतु लाइनिंग करवाएं, चौखाने वाले बोर्ड एवं बिन्दुओं को मिलाने वाले बोर्ड बनवाये जिससे बालक अपनी कल्पना से आकृति बना सकेंगे एवं खाली समय में कुछ लिखने का अभ्यास भी कर सकेंगे। कक्ष में गिनती, पहाड़े, हिन्दी एवं अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर आकर्षक रूप एवं डिजाईन में लिखे जाए। जिनका अनुसरण कर बालक बोलने एवं लिखने का अभ्यास कर सकते हैं। इनके कुछ डिजाईन पुस्तक के अगले पृष्ठों पर चित्रित किए गए हैं।
4. **कक्षा 3 से 5** के कक्षों में मापन संबंधी चित्र जैसे भार मापन, द्रव का आयतन मापन, समय मापन, कोण मापन, लम्बाई मापन आदि बनवाये जाए। श्यामपट्ट के नीचे व शिक्षक की मेज पर आड़ा स्केल एवं उसका वजन, पिलर या दीवार पर खड़ा स्केल तराजू, प्रचलित बाट, लीटर, घड़ी, दरवाजे के साथ कोण मापक बनवाएँ।
5. **दरवाजे एवं खिड़कियों** पर अनेक चित्र बालकों की जानकारी हेतु हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, सामान्य ज्ञान संबंधी बनाएँ जा सकते हैं। इससे खिड़कियों एवं दरवाजों पर पेन्ट होगा एवं सुन्दरता के साथ ये टिकाऊ भी होंगे।
6. **कक्षा में लगे पंखों** पर अलग–अलग पैटर्न में विभिन्न रंगों से पेन्ट करवाएँ ताकि बालकों को भी रंग तथा उनके संयोजन का ज्ञान हो।
7. **कमरों में** बालकों द्वारा किए गए कार्यों को टांगने की व्यवस्था करना। जैसे खूंटी लगाकर रस्सी बांधना तथा उस पर उनके कार्यों को चिमटी की सहायता से टांगा जा सकता है।
8. **कक्षा 3 से 5** तक की कक्षाओं में अभ्यास घड़ी का चित्र बनाया जा सकता है।
9. **यदि कक्ष** नया बन रहा है या जंगले जीर्ण–शीर्ण होने के कारण बदलने है तो उनके सरियों के साथ हिन्दी व अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर एवं भिन्नात्मक संख्याएँ उन पर सरियों द्वारा ही बनवाकर लगाए जा सकते हैं। यह कार्य आकर्षक के साथ–साथ स्थायी भी होगा।

बरामदा :-

1. बरामदे की दीवारों पर दृश्य भ्रम के चित्र बनाए जा सकते हैं और ऐसे ही कुछ चित्र फ्लैक्स पर बनवाकर भी लगाए जा सकते हैं। इससे बालकों की बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी एवं इन चित्रों की ओर आकर्षित होंगे।
2. बरामदे के पिलर्स पर खड़े मापक स्केल बनाए जा सकते हैं। इनसे बालक स्वयं की एवं दूसरों की लम्बाई मापने का अभ्यास कर सकेंगे।
3. बरामदे की दीवार के ऊपर वाले भाग में कल्पना शक्ति को विकसित करने वाली कहानियों के चित्र बनाए जा सकते हैं।
4. नई बन रही या मरम्मत के समय फर्श में स्थाई रूप से ज्यामितीय आकृतियां बनाई जा सकती हैं।
5. बरामदे की फर्श पर बालकों के खेल जैसे चोसर, सांपसीढ़ी, लूडो, शतरंज आदि भी बनाएँ जा सकते हैं।
6. बरामदे की दीवारों पर अन्य विषयों से संबंधित चित्र भी बनवाएँ जा सकते हैं। पुस्तक के अगले पृष्ठों पर भी इनसे संबंधित चित्र दिए गए हैं।
7. बरामदों के खम्भों पर भिन्नात्मक संख्या, गणितीय सूत्र, घड़ी व मील पत्थर–एक खम्भे से दूसरे खंभे की दूरी तथा अक्षर चित्र भी बनाये जा सकते हैं।
8. बरामदों की दीवारों पर विभिन्न प्रकार के अभ्यास मानचित्र बनाये जा सकते हैं।
9. बरामदे के साथ रैम्प की रैलिंग में दोनों ओर सॉकिट लगाकर खुला रखे तो बालक टेलीफोन का खेल भी खेल सकेंगे।

Scanned by CamScanner

चारदीवारी एवं मुख्य द्वार :-

1. बालक को रंग–बिरंगी जगह खूब भाती है। उनका लगाव गहरे रंगों से अधिक होता है। इसलिए मुख्य द्वार एवं चारदीवारी को आकर्षक चित्र एवं मांडणा आदि बनवाकर अधिक सुन्दर बनाया जावे। मुख्य द्वार के दोनों पिलर्स पर बालक एवं बालिकाओं के चित्र बनवाए जा सकते हैं।
2. चारदीवारी के अन्दर के भाग में यदि पिलर्स हैं, तो प्रत्येक पर संख्या व पिलर से पिलर की दूरी लिख सकते हैं।
3. चार दीवारी के अन्दर के भाग में अच्छी आदतों एवं स्वच्छता संबंधी चित्र बनवाए जा सकते हैं।
4. विद्यालय का नजरी नक्शा मुख्य द्वार के आस–पास बनवाए जिसमें उत्तर दिशा अंकित की हुई हो।
5. बालकों की सबसे पंसदीदा चीज कार्टून है, इसलिए कुछ शिक्षाप्रद कार्टून एवं कुछ मजेदार चित्र, कुछ हरियाली को प्रेरित करते चित्र एवं आदर्श वाक्य लिखवाए जा सकते हैं।

आंगन :-

यह विद्यालय का महत्वपूर्ण अंग के साथ बालकों की पंसदीदा जगह है। खुले आकाश में बालकों को खेलने में अधिक मज़ा आता है। इसलिए विद्यालय के आंगन को कई भागों में बांटा जा सकता है :–

1. एक ओर बालकों के खेल उपकरण लगाये जा सकते हैं। जैसे 'फिसल पट्टी, झूला, जपिंग झूला, नेट, रोटेटिंग ड्रम, सी–सॉ एवं अनुपयोगी टायरों द्वारा निर्मित खेल इत्यादि। इस स्थान पर बालू रेत डाला जाना आवश्यक है।
2. पेड़ों के नीचे बालकों को बैठने हेतु ईंट पत्थर आदि से कारीगर द्वारा बैंच बनाई जा सकती है, और पेड़ों के तने पर उनके सामान्य तथा वैज्ञानिक नाम लिखे जा सकते हैं।
3. बाला कार्य करते समय संरक्षित पानी का उपयोग करते हुऐ बगीचा अवश्य बनावें। इसमें औषधीय एवं सजावटी पौधे लगाकर इनकी जानकारी बालकों को कराई जा सकती है तथा बेकार पानी का इसमें उपयोग कर बालकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा सकता है।
4. आंगन के एक ओर कार्टून दीवार, ज्यामिति दीवार, देश / राज्य का नक्शा बनवाया जा सकता है। आगे के पृष्ठों पर इनसे संबंधित चित्र दिए गए हैं।
5. विशेष आवश्यकता वाले बालकों के लिए रैम्प, विशेष शौचालय आदि की व्यवस्था की जानी चाहिए।

रसोईघर :-

1. सौर कूकर–इसका प्रयोग मिड–डे–मिल में चावल–दाल, सब्जी आदि बनाने में किया जा सकता है। इससे पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता एवं ईंधन की भी बचत होती है।
2. उन्नत चूल्हा – यह चूल्हा अन्य चूल्हों से अलग होता है। यह चिकनी मिट्टी व बालू के मिश्रण से बनाया जाता है। इस चूल्हें में लकड़ियां एक बन्द भट्टी में जलती है एवं इस पर 2 से 4 बरतनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अन्दर चिमनी लगी होती है जो धुएँ को रसोई से बाहर निकालती है। इस चूल्हे में लकड़ियों की खपत कम होती है।
3. मिड–डे–मिल, स्वच्छता एवं पोषण से संबंधित जानकारी भी रसोई की दीवार पर होनी चाहिए।

शौचालय :-

1. विद्यालय के शौचालयों पर भी अधिक ध्यान दिऐ जाने की आवश्यकता है। प्रत्येक विद्यालय में लघु मरम्मत की कुछ न कुछ राशि जिला कार्यालय से पहुंचती है। उन्हें अल्प राशि से रिपेयेर कर उपयोगी बनाया जा सकता है।
2. शौचालय की बाहर की दीवार पर स्वच्छता के 7 घटक की जानकारी एवं शौच के बाद साबुन से हाथ धोने के चित्र बनाये जा सकते हैं।
3. छात्राओं के शौचालय में इन्सीनरेटर (प्रयोग में लिये गये सैनेट्री पैड के निस्तारण हेतु) अवश्य बनवाए जावे एवं इसका प्रयोग करना भी छात्राओं को सिखाया जावे जिससे गन्दगी से निजात मिल सकेगी।

इस प्रकार आपके दिमाग में भी ढेरों विचार पैदा हो सकते हैं जिनके क्रियान्वयन से विद्यालय को बाला के रूप में तैयार किया जा सकता है।

Scanned by CamScanner

सृजनात्मक बोर्ड

प्राथमिक शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए कक्षाओं में कई प्रकार के ब्लैक बोर्ड को सृजनात्मक बोर्ड के रूप में तैयार करवाया जा सकता है:-

1. अभ्यास बोर्ड : कक्षा 1 व 2 के कक्ष में दीवार के सबसे निचली सतह पर कमरे में चारों ओर 24 इंच ऊँचा ब्लैक बोर्ड बनाकर उसके 24–24 इंच के भाग बनाएँ। इस प्रकार एक कक्ष में 15 से 25 तक छोटे–छोटे ब्लैक बोर्ड बन सकते हैं। इन बोर्डों पर निम्न गतिविधियाँ बालकों को अभ्यास के लिए की जा सकती है। :–(अ) विभिन्न प्रकार की लाईने व आरेख (ब) 0 से 9 तक के अंक (स्वर व व्यंजन) (द) अंग्रेजी वर्णमाला (य) विभिन्न आकृतियाँ :–
इनके माध्यम से नव आगन्तुक बालकों से लगभग 2 माह तक इन्हीं बोर्डों पर बिन्दुओं से बने अक्षर या आकृतियों पर चॉक के द्वारा अभ्यास कराया जा सकता है। इससे बहुत कम समय में बालकों में हस्त संतुलन हो जायेगा।

2. लाईन बोर्ड : इस बोर्ड के द्वारा बालकों को अंग्रेजी के अक्षरों को लिखने का अभ्यास कराया जा सकता है। इससे छोटी अंग्रेजी व हिन्दी के अक्षरों के लाईन के ऊपर या नीचे लिखने को भी समझ सकेंगे।

3. स्क्वायर बोर्ड : साधारण बोर्ड में निश्चित दूरी पर खड़ी व आड़ी लाईनें खींच कर इस बोर्ड को बनाया जाता है। इस बोर्ड का प्रयोग बालक निम्न अभ्यास के लिए कर सकता है:–

अ. गिनती व पहाड़े ब. गणितीय संक्रियाओं पर आधारित खेल व पहेलियाँ स. आरेख द. वर्ग पहेली

4. बिन्दु बोर्ड : साधारण ब्लैक बोर्ड पर वर्गाकार पैटर्न में सफेद रंग से सूक्ष्म बिन्दु प्रदर्शित करके बिन्दु बोर्ड बनाते हैं। कक्षा 1 से 2 में इन बिन्दुओं की दूरी 3 इंच तक व अन्य कक्षाओं में इन बिन्दुओं की दूरी 1.5 इंच तक ली जा सकती है। इस बोर्ड पर बालक अपनी कल्पना शक्ति का उपयोग करके अनेक प्रकार के चित्र व पैटर्न बना सकते हैं जैसे :–
(अ) गणितीय ज्यामितियाँ (उनके समान व विपरीत प्रतिबिम्बात्मक आकृतियाँ भी शामिल है।)
(ब) आरेख (स) तरह–तरह के कोण (द) चित्र, डिजाईन व अन्य आकृतियाँ।
इससे छात्रों में कल्पना शक्ति एवं अमूर्त चिन्तन का विकास होता है।

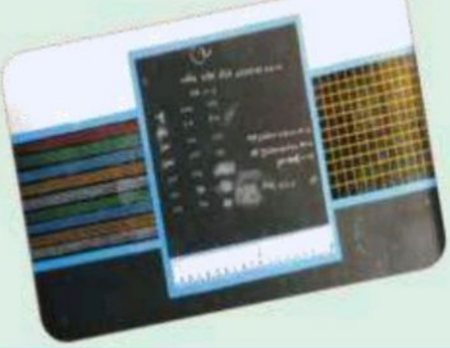

Scanned by CamScanner

मापक

बालकों में दूरी, वजन (भार), आयतन, समय, कोण आदि के मापने के कौशल विकसित करने के लिए भवनों पर निम्न कार्य करवाए जा सकते हैं :–

1. दूरी मापन : दूरी मापन हेतु निम्न कार्य करवाये जा सकते हैं :– (अ) शिक्षक की मेज पर आड़ा स्केल (ब) ब्लैक बोर्ड के नीचे आड़ा स्केल (स) बरामदे एवं कमरे के पिलर्स, पर खड़ा स्केल (द) पिलर्स एवं आंगन में मील पत्थर। (य) कमरे की दीवार पर लम्बाई–चौड़ाई अंकित करना।
2. समय मापन : बरामदे के पिलर / कक्षा–कक्ष की दीवार पर एक डायल तैयार कर उसके केन्द्र पर ड्रिल करके उसमें स्क्रू पेच के द्वारा तीन सुई (लकड़ी / लोहा / एल्युमीनियम) लगाकर नट से कसी जावें। नट को ढीला कर सुईयों को विभिन्न स्थितियों में प्रदर्शित करके समय मापन का अभ्यास करवाया जा सकता है।
3. भार : कक्षा की दीवार पर तराजू एवं बाजार में प्रचलित बाट (बढ़ते क्रम में) के चित्र बनाकर विभिन्न भारों को मापने के लिए समस्यात्मक प्रश्नों द्वारा विभिन्न बाटों के प्रयोग का अभ्यास करवाया जा सकता है। (बांटों के लकड़ी या अन्य सामग्री से बने मॉडल भी प्रयोग में लाए जा सकते हैं।)
4. आयतन मापन : कक्षा–कक्ष की दीवार पर द्रव्य के आयतन हेतु प्रयुक्त मापकों के चित्र बनाए जावे। पानी की टंकी, गिलास, जग, बाल्टी आदि पात्रों पर उनकी धारित क्षमता अंकित की जा सकती है।

कोण : कक्षा–कक्ष के दरवाजे के साथ फर्श पर चाँदा निर्माण करवाया जा सकता है। इस पर दरवाजे के खुलने व बन्द होते समय बनने वाले विभिन्न कोणों का अभ्यास करवाया जा सकता है। चित्र को स्थाई करने के लिए फर्श में मिस्त्री द्वारा कटिंग के निशान बनवाकर उन पर पेन्टर द्वारा पेन्ट किया जा सकता है। कोण मापन में खिड़की का भी प्रयोग किया जा सकता है।

दरवाजे के पास दीवार पर खड़ा मापक स्केल

विद्यालय में विभिन्न जगहों की दूरी को बताने वाले मील पत्थर

दरवाजे के साथ फर्श पर कोण मापक

शिक्षक की मेज पर आड़ा मापक स्केल

खिड़की में कोण मापक

दीवार पर समय मापक

Scanned by CamScanner

फर्श का बाला में उपयोग

विद्यालय भवन में सबसे बड़ा क्षेत्र फर्श का आता है। बरामदे व कमरे में फर्श सीमेंन्ट, कंकरीट, कोटा स्टोन, मार्बल, सेन्ड स्टोन आदि की होती है। यदि फर्श का रिपेयर वर्क हो रहा है या बन रही है तो उसी समय सीमेंन्ट कंकरीट की फर्श कारीगर द्वारा शिक्षक की उपस्थिति में अलग–अलग रंगों से विभिन्न ज्यामितीय आकृतियाँ, हिन्दी व अंग्रेजी वर्ण माला के अक्षर, विभिन्न प्रकार की रंगोली व अन्य चीजें स्थाई रूप से बनाई जा सकती है।

मार्बल, कोटा स्टोन, टाइल्स से फर्श बनाते समय इनका संयोजन विभिन्न ज्यामितीय आकृतियों व खेलों को ध्यान में रख कर किया जावे। कुशल कारीगरों द्वारा खगोलीय घटनाओं एवं कठिन ज्यामितीय आकृतियों को चित्रानुसार कटर से काटकर उस स्थान पर अलग–अलग रंगों में चिप्स डालकर पिसाई करने से ये आकृतियाँ उभर कर प्रदर्शित हो जायेगी व विद्यालय की फर्श बालकों के लिए पुस्तक का कार्य करेगी। बालक खेल–खेल में आयत व वर्ग में अन्तर करते नज़र आयेंगे।

ये कार्य पेन्टर द्वारा भी कराए जा सकते हैं। बरामदे की फर्श में साँप सीढ़ी, लूडो, चौसर एवं बालिकाओं के खेल बनाए जा सकते हैं।

चबूतरे की फर्श पर गणितीय खेल

बरामदे की फर्श पर स्थाई ज्यामितीय आकृतियाँ

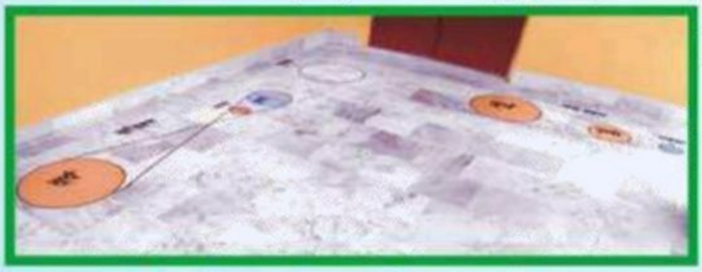

बरामदे की फर्श पर खगोलीय घटना

फर्श पर बालिकाओं का खेल

Scanned by CamScanner

शिक्षाप्रद कहानियों के चित्र एवं जन्म दिन बोर्ड

कहानियाँ बालकों को सबसे प्रिय लगती है व बालक इनकी ओर सहज आकर्षित होते हैं। बालक की प्रारम्भिक पाठशाला परिवार होता है। इसमें बालकों को दादा-दादी, नाना-नानी व अन्य बड़े बुजुर्गों द्वारा कहानी सुनने में अधिक आनन्द आता है।

कक्षा-कक्षा, बरामदे तथा चारदीवारी की दीवारों के खाली स्थान पर पेन्टर द्वारा विभिन्न शिक्षाप्रद कहानियों के चित्र बनाए जा सकते हैं। कहानियों के चित्र बनवाते समय यह ध्यान रखा जावे की चित्र संयोजन बालकों की कल्पना शक्ति के विकास में सहायक हो। कहानियों में जहाँ तक हो सके शब्द नहीं लिए जावे तथा चित्रों की सहायता से बालक स्वयं ही कहानी का विकास करें। कहानी बालकों को नैतिक व सामाजिक शिक्षा प्रदान करने वाली हो। प्रत्येक कहानी की चित्र श्रृंखला के अन्त में व्यक्त नैतिक शिक्षा कम से कम शब्दों में लिखी जावे। इससे बालकों का मनोरंजन एवं कल्पना शक्ति, मौखिक अभिव्यक्ति, भाषा के उच्चारण की शुद्धता एवं जिज्ञासु प्रवृत्ति का विकास होगा।

इनके चित्र बरामदे एवं कमरे में दीवार के ऊपर वाले भाग में बनवाए जा सकते है क्योंकि इनमें बालकों द्वारा हाथ से कार्य करने के लिए कुछ भी नहीं है। यहाँ केवल देखना होता है।

कार्टून

छोटे बालकों का सबसे प्रिय विषय होता है। बालकों के स्तरानुसार उनके कक्ष के आस-पास शिक्षाप्रद कार्टून आकर्षण का केन्द्र रहेंगे।

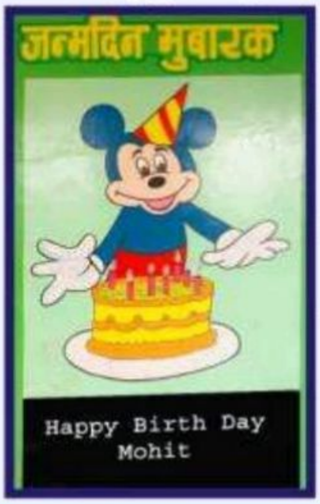

प्रार्थना स्थल पर जन्मदिन का बोर्ड बनाया जा सकता है। महान पुरूषों का एवं स्वयं का व शिक्षकों का जन्म दिन बालक सहज ही याद कर सकेंगे बल्कि पूर्व से तैयारी करके भी आयेंगे।

Scanned by CamScanner

खेल–खेल में गणित

खेलना बालकों की सहज प्रवृत्ति है प्रत्येक आयु वर्ग का बालक खेलना पसन्द करता है। अतः गणित जैसे कठिन विषय को खेल द्वारा आसानी से सहज अधिगम योग्य बनाने के लिए बाला के कक्षा-कक्ष, बरामदे व चारदीवारी की दीवारों पर गणित से संबंधित खेल बनवाए जाने चाहिए। जैसे:

1. दीवार पर मछली वाला खेल : यह खेल कक्षा 1 व 2 के कक्ष में बनाया जा सकता है। इसमें अलग–अलग रंगों की मछलियाँ बनाई जाए। इसमें बालकों से अलग–अलग रंग की मछलियों की संख्या, बालक लिख सकें। बालक इससे खेल–खेल में गणित सीखेंगें, रंगों का ज्ञान भी होगा एवं इस दृश्य से आकर्षित भी होंगे।
2. गिनती कार्टून : चित्रानुसार 1 से 50 तक व व 51 से 100 तक गिनती कार्टून बनाया जाए। इसमें सम व विषम संख्या अलग–अलग रंगों में प्रदर्शित की जावे। इसके माध्यम से बालक गिनती सीख सकेगा एवं सम व विषम संख्याओं का ज्ञान कर सकेगा। साथ ही रंगां का ज्ञान भी होगा।
3. कटवां गिनती : चित्रानुसार 1 से 100 तक अक्रमिक रूप से चौखानों में गिनती लिखी जाए एवं चौखानों में जो रंग किया जावेगा उपरोक्तानुसार सम व विषम चौखाने का ध्यान भी रखा जावे।
4. गुणा व भाग वृक्ष : चित्रानुसार एक गुणा वृक्ष कक्षा–कक्ष में बनवाया जावे जिसमें एक टहनी पर गुणा व भाग हल कर दिए जावे तथा शेष पर केवल प्रश्न दिए जावे व बालकों को उन्हें हल करने हेतु स्थान दिया जावे। इससे बालक खेल–खेल में गणित सीखेगे एवं आपसी प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी कि किस बालक ने पहले प्रश्न हल किए।
5. गणितीय ज्यामितीय रोबोट : शाला में दीवार पर चित्रानुसार ज्यामितीय रोबोट बनाकर उस पर आधारित प्रश्न पूछे जा सकते हैं जैसे :–चित्र में आयत, वर्ग, त्रिभुज, वृत्त, पंचभुज व अन्य आकृतियों की संख्या विभिन्न रंगों वाली आकृतियों के नाम पूछे जा सकते हैं। इसे खिड़कियों में सरियों के द्वारा स्थाई भी बनवाया जा सकता है।
6. गुणा करो आगे बढ़ो : चित्रानुसार (चित्र अगले पृष्ठ पर) यह खेल कई स्तरों में बाँटा गया है। जिसमें बालक प्रारम्भ में सरल गुणा करता हुआ एक से दूसरे स्तर तक पहुँचता हैं। इससे वह खेल–खेल में सरल से कठिन गुणाओं को करने के प्रति स्वयं ही आकृष्ट होता है। इससे बालकों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होगी। यह तीसरी से पाँचवी तक के लिए है।
7. भार मापन व धारिता मापन : इस चित्र द्वारा बालक विभिन्न इकाईयों के मध्य संबंध को समझ पाते हैं। इससे उन्हें एक इकाई को दूसरी में बदलने में भी मदद मिलती है।
8. रोमन संख्या (बरामदे के खम्भे पर) : यह चित्र में बालकों को रोमन संख्या के समान सामान्य गणितीय अंको को पहचानने में मदद करता है। इससे वे सामान्य संख्या को रोमन में व रोमन संख्या को सामान्य में बदल पाएंगे।
9. भिन्न : इसके चित्र में विभिन्न भिन्नों को संक्षिप्त में परिभाषित कर उनके कुछ उदाहरण दिए जाने चाहिए।
10. अजगर का खेल : चित्रानुसार अजगर में क्रमशः अंक लिखे जाते हैं तथा बीच–बीच में दो या तीन भिन्न जानवर बनाकर प्रश्न में उनके द्वारा एक बार में लगाई गई छलांग की दूरी बताई जाती है। फिर इस पर आधारित प्रश्न किए जाते हैं जिससे बालकों को खेल–खेल में ही गुणनखण्ड की जानकारी प्राप्त हो जाती है।

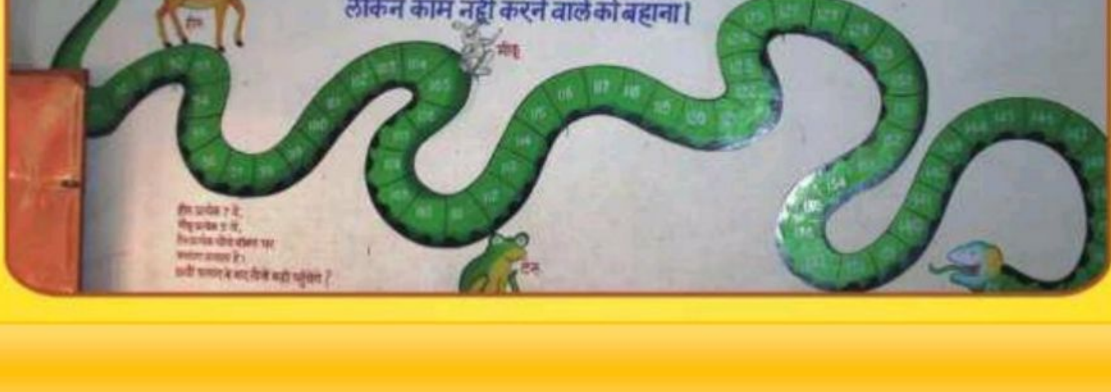

Scanned by CamScanner

गणितीय अभ्यास चित्र

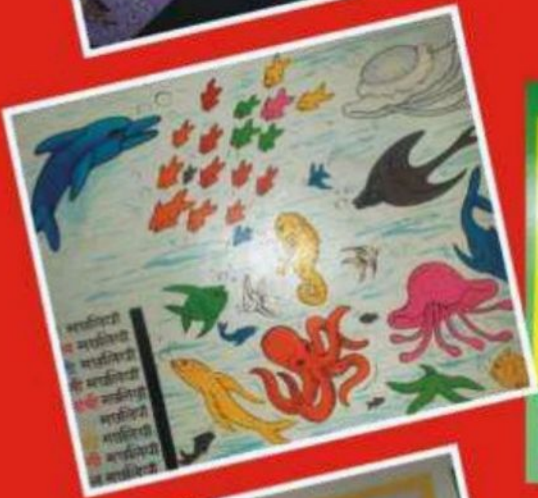

Scanned by CamScanner

प्रांगण में खुले कक्षा-कक्ष एवं पेड़ों के नीचे बैठने हेतु बैंच

Scanned by CamScanner

विद्यालय की सीढ़ियों का उपयोग

विद्यालय में बालकों के आकर्षण केन्द्र

Scanned by CamScanner

खिड़कियों एवं बरामदे की दीवारों का उपयोग

विद्यालय में अन्य आवश्यक बोर्ड

विद्यालय में प्रत्येक सूचना सम्बंधी बोर्ड बनाऐ जा सकते हैं।
जैसे संस्थापन विवरण, मिड–डे–मील,
विद्यालय में सुविधाऐं व अन्य सरकारी योजनाऐं।
महान् व्यक्तियों द्वारा कहे जाने वाले शिक्षाप्रद वाक्य लिखवाए जा सकते हैं।

Scanned by CamScanner

चार दीवारी व मुख्य दरवाजा

चारदीवारी एवं मुख्य दरवाजा

भवन को सुरक्षित रखने के साथ–साथ चारदीवारी का बाला में भरपूर उपयोग किया जा सकता है। विद्यालय वातावरण को शिक्षण उपयोगी बनाने व बालकों में विद्यालय के प्रति सहज आकर्षण उत्पन्न करने के लिए चारदीवारी का निम्नानुसार उपयोग किया जा सकता है।

1. भवन के मुख्य दरवाजे को रंग–बिरंगा कर आकर्षित बनाया जाए।
2. चारदीवारी पर कार्टून, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, आदर्श वाक्य, सूचनाएँ, बच्चों के अधिकार आदि लिखें जाए।
3. अच्छी आदतें : शाला स्वच्छता, जल संरक्षण, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, पर्यावरण इत्यादि
4. वातावरण में उपस्थित विभिन्न प्रकार के चक्र जैसे – जल चक्र, कार्बन डाई ऑक्साइड चक्र, जन्तुओं व पौधों का जीवन चक्र इत्यादि।
5. महापुरूषों एवं सर्व धर्म से संबंधित चित्र।
6. यातायात के नियम।
7. आपातकालीन सेवाओं के फोन नम्बर।
8. दीवार पर बालकों के उपयोग हेतु ब्लैक बोर्ड बनाए जावें। जिस पर प्रतिदिन कक्षा का एक बालक कोई ज्ञान वर्धक बात लिखेगा।
9. मुख्य दरवाजे पर स्वागत चित्र होना चाहिए।
10. चारदीवारी में स्थित खम्बे तथा मुख्य द्वार पर सार्थक रंग संयोजन होना चाहिए। जैसे–तिरंगा या इन्द्र धनुष आदि। जिससे दीवारों की नीरसता भंग होगी तथा वे बालकों को अपनी ओर आकर्षित करेगी।

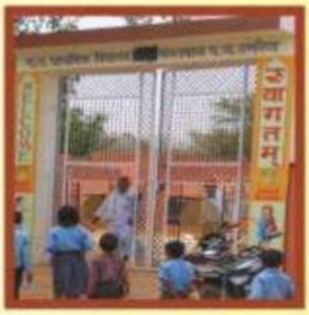

Scanned by CamScanner

कक्षा-कक्ष के दरवाजों का उपयोग

कक्षा-कक्ष के दरवाजों पर विभिन्न प्रकार के शैक्षिक चित्र बनाकर इनको सीखने हेतु तैयार किया जा सकता है।

Scanned by CamScanner

पंखों द्वारा रंगों की जानकारी

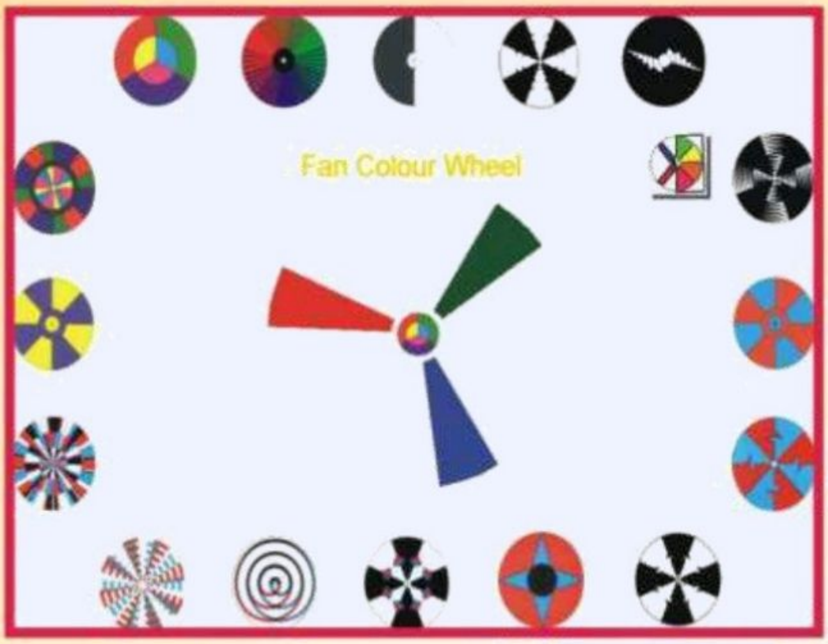

विभिन्न संरचनाऐं बनाकर आंगन का उपयोग

Scanned by CamScanner

प्राथमिक विद्यालय पटवध में BaLA का प्रयोग

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

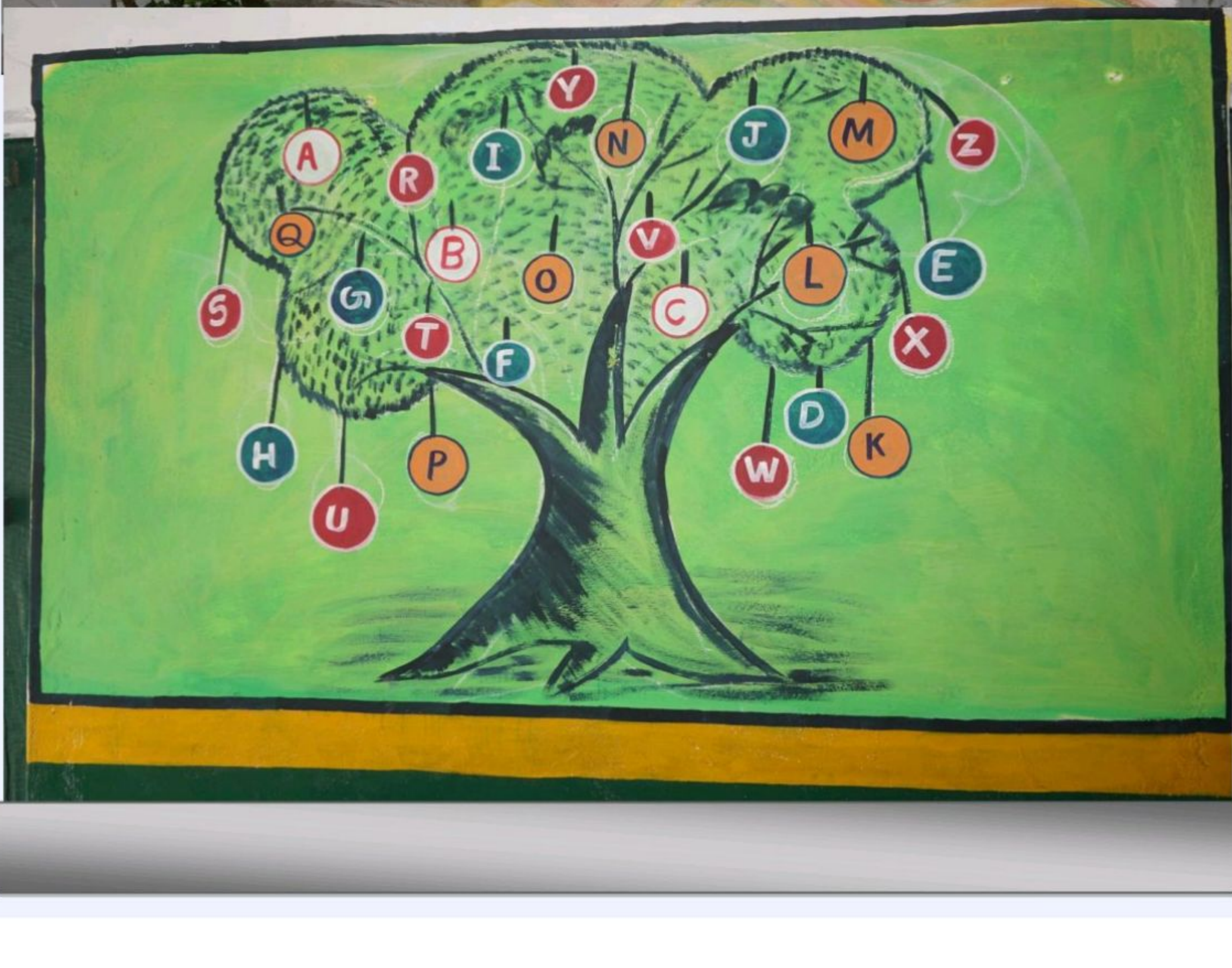

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

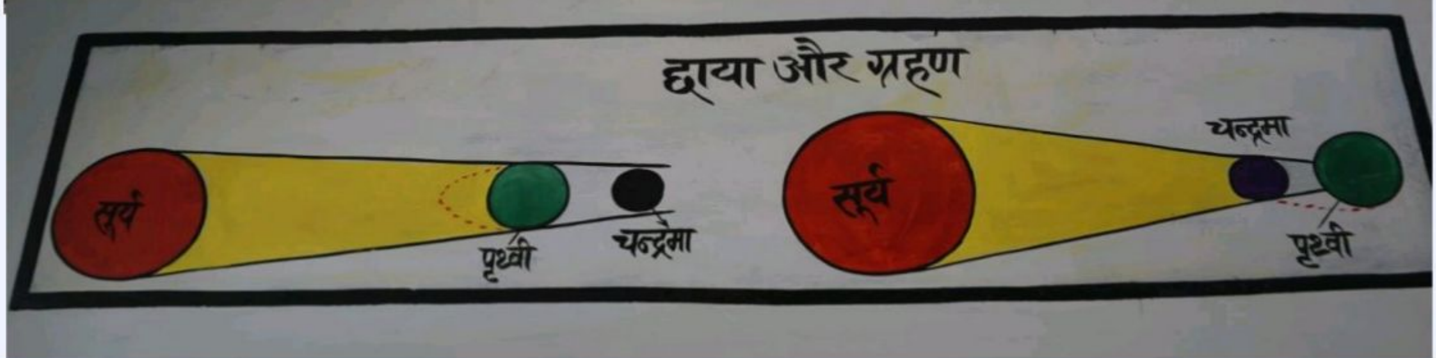

Scanned by CamScanner

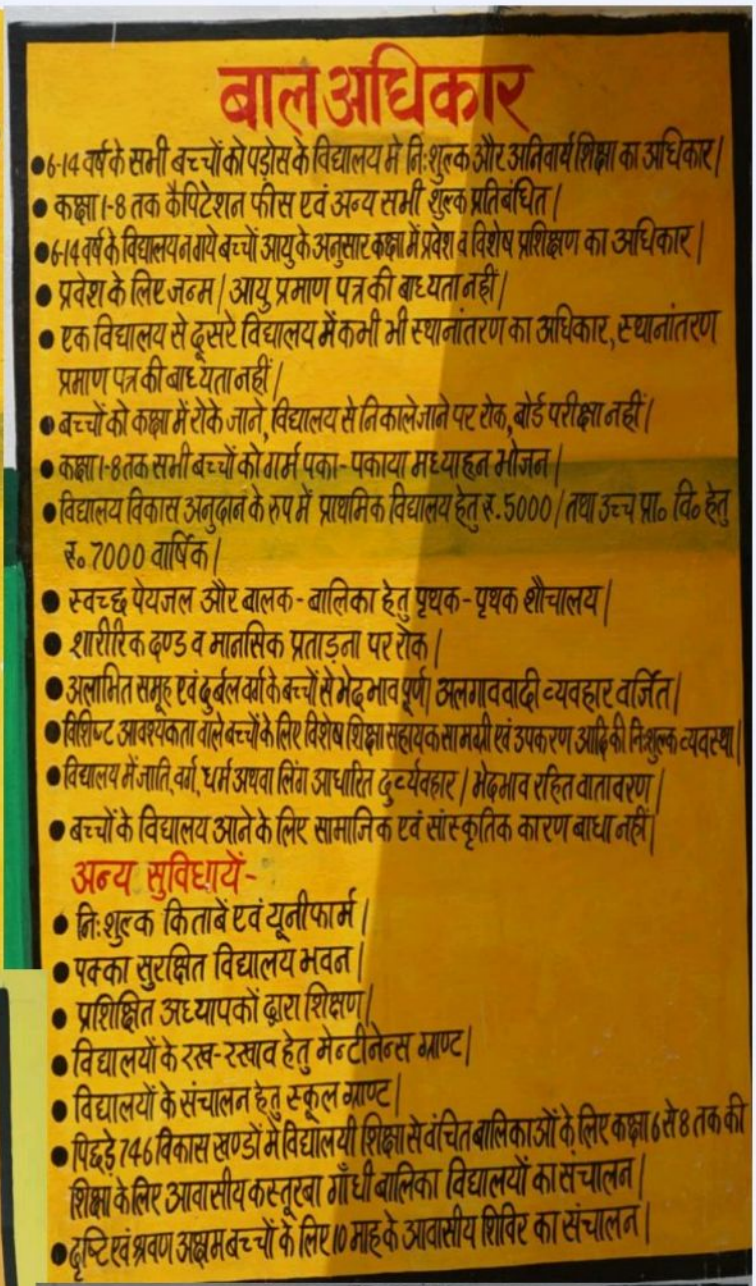

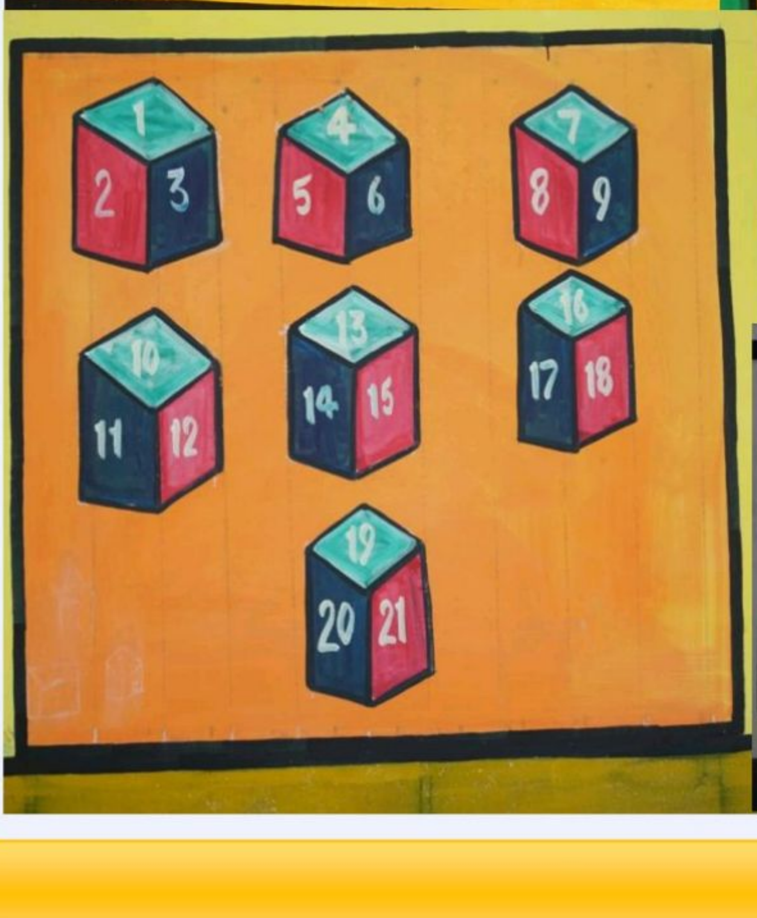

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

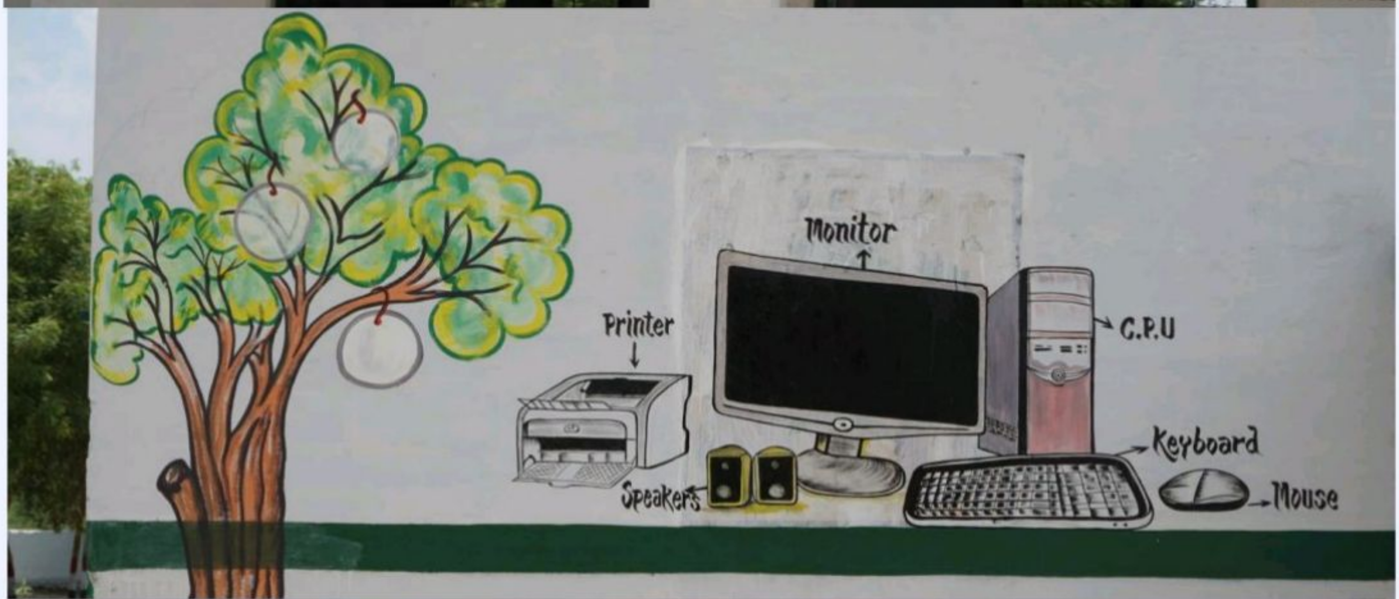

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner